फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 15, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 224 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 फरवरी 2026 मंगलवार

आज का मौसम
29.6 अधिकतम
12.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

बांग्लादेश में नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण

ढाका। बांग्लादेश की 13वीं नेशनल पार्लियामेंट के नवनिर्वाचित सदस्यों ने मंगलवार को नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में शपथ ली। सुबह करीब 10:42 बजे (स्थानीय समयानुसार) मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने सांसदों को शपथ दिलाई। बांग्लादेशी मीडिया प्रथोम ओलो के मुताबिक, यह शपथ ग्रहण समारोह कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित हुआ, जिसमें 1,000 से ज्यादा स्थानीय और विदेशी मेहमान शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह से पहले कुरान पढ़ी गई। मुख्य समारोह शाम 4 बजे शुरू होगा। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनके शुरुआती मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाएंगे।

मंत्री अनिल विज घर में गिरे, दोनों पैरों में फ्रैक्चर

अंबाला। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज अपने आवास पर गिर गए हैं, जिससे उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। 20 फरवरी से हरियाणा विधानसभा का सत्र शुरू होना है। हर बार सदन में अपने तेवरों और बेबाक बयानों से सुर्खियों में रहने वाले विज इस बार शायद सदन में नजर न आएं। फिलहाल समर्थक उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं, जबकि खुद विज ने अपने अंदाज से साफ कर दिया है कि हौसला अब भी बुलंद है। विज विधानसभा सत्रों में कभी भी अनुपस्थित नहीं रहे।

एकतरफा प्रेम मामले में युवक की जंगल में हत्या

बैतूल। जिले के भैंसदेही थाना क्षेत्र में विवाहिता से एकतरफा प्रेम करने और शादी करने का दबाव बनाने वाले युवक की हत्या कर उसका शव खेत में दफना दिया गया। अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाकर पुलिस ने विवाहिता और उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन ने बताया कि महाराष्ट्र निवासी शिवम धुर्वे कौड़िया गांव की सुमित्रा से एकतरफा प्रेम करता था। वह उसे शादी करने के लिए दबाव बनाने के साथ ही धमकाता रहता था। विवाहिता ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उसे मौत के घाट उतारने की साजिश रची गई।

तमिलनाडु में शोभायात्रा के दौरान पलट गया रथ

वेल्लोर। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में एक मंदिर के उत्सव के दौरान अचानक रथ पलट गया, इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शोभा यात्रा में निकला 60 फुट ऊंचा रथ अचानक पलट गया। ये रथ मयनाकोलई उत्सव का हिस्सा था। जानकारी के मुताबिक, मृतकों के सम्मान में मयना कोल्लई उत्सव मनाया जाता है, जिसके लिए रथ यात्रा निकाली जाती है और जश्न के लिए रथ को तैयार किया जाता है। पहले भी कुछ सालों पहले शोभायात्रा का रथ पलट गया था।

हिमंता बोले- गोगोई का केस सबूत समेत केंद्र को भेजा

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान लिंक के मामले की जांच अब केंद्र सरकार करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस मामले से जुड़े सभी सबूत केंद्र को सौंप दिए हैं और अब केंद्रीय एजेंसी इसकी जांच करेगी। सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी का पाक से जुड़े कुछ लोगों से संबंध रहा है और यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है।

आज का कार्टून

पंजाब के सीएम भगवंत मान को घातक केमिकल पोलोनियम देने का दावा

सांस लेने में दिक्कत, जिस अस्पताल में भर्ती उसे बम से उड़ाने की धमकी

धमाके की धमकी के बाद मोहाली के 16 स्कूलों में छुट्टी, खाली कराया गया

मोहाली, एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री को भगवंत मान को घातक केमिकल पोलोनियम देने का दावा किया जा रहा है जिससे राजनीति और प्रशासन में उस वक्त हड़कंप मच गया है। पोलोनियम दुर्लभ रेडियोएक्टिव पदार्थ है, जो अत्याधिक विषैला होता है।

वहीं मान मोहाली के जिस फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं, उसे बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरे मेल में सीएम मान को लेकर लिखा गया है कि भाई दिलावर सिंह के वारिसों ने उन्हें पोलोनियम से संक्रमित किया है। अगर वह बच गए तो बेअंत जैसा हाल करेंगे। फोर्टिस अस्पताल से सीएम भगवंत मान की लाश ही निकलेगी।

पंजाब के दिवंगत पूर्व सीएम बेअंत सिंह को चंडीगढ़ सचिवालय में मानव बम से उड़ाया गया था। धमकी मिलने के बाद पंजाब पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने अस्पताल को चारों तरफ से घेर लिया है। यहां पांच बम निरोधक दस्ते एक्टिव कर दिए गए हैं। मोहाली के एसपी दिलप्रीत सिंह ने कहा कि अभी तक सीएम को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की कोई बात नहीं है। सिक्योरिटी के साथ पुलिस टीमें अलर्ट हैं। फोर्टिस अस्पताल के साथ मोहाली के 16 स्कूलों को भी धमकी मिली है। जहां छुट्टी करवा दी गई है।

बता दें कि सीएम पहले रविवार को ब्लड प्रेशर बढ़ने पर मोहाली अस्पताल में भर्ती हुए थे। फिर सोमवार को डिस्चार्ज होकर मोगा में आप सरकार की नशा विरोधी रैली में हिस्सा लेने गए। वहां सांस लेने में तकलीफ होने पर सोमवार शाम करीब 5 बजे उन्हें यहां फिर भर्ती कराया गया था।

रेडियोएक्टिव पदार्थ है पोलोनियम

पोलोनियम-210 को दुनिया के सबसे घातक जहरों में से एक माना जाता है। यह रेडियोएक्टिव पदार्थ है, जो अल्फा विकिरण उत्सर्जित करता है। शरीर में यह खाने, पीने या सांस के जरिए चला जाए, तो अंदरूनी अंगों और डीएनए को तेजी से नष्ट कर देता है। उल्टी और लूज मोशन इसके शुरुआती लक्षण हैं। इसका कोई एंटीडोट नहीं है, यानी इसका असर खत्म करने की कोई दवा नहीं है।

पंजाब को बताया खालिस्तान

हंटर फार्ले के नाम से जीमेल के जरिए भेजे ई-मेल में पंजाब को खालिस्तान बताते हुए कहा गया है अपने बच्चे बचा लो और मोहाली के स्कूल बंद रखो। मेल में लिखा गया है कि यह खालिस्तान रेफरेंडम वालों को गैंगस्टर बताकर उनका एनकाउंटर लेने का बदला है। मेल के अंत में खालिस्तान नेशनल आर्मी का नाम लिखा है। इसके साथ इंजीनियर गुरनाख सिंह, रुकन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवीर सिंह और खान राजादा का जिक्र है। हालांकि इससे पहले भी अमृतसर, जालंधर, पटियाला, मोहाली और चंडीगढ़ के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है, लेकिन हर बार यह खोखली निकली और कोई धमाका नहीं हुआ। इस बार सीएम भगवंत मान को लेकर धमकी की वजह से पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

जंगल में नहीं बच पाया मां से बिछड़ा युवा बाघ

सागर, दोपहर मेट्रो

जंगल की चुनौतियों ने एक युवा नर बाघ की जान ले ली। बचपन में मां से बिछड़ने के बाद इस बाघ को वन विभाग ने पाला था। उसे कई महीनों तक शिकार का प्रशिक्षण दिया गया, लेकिन जंगल की वास्तविक चुनौतियों ने उसे 35 दिन में ही तोड़ दिया। वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 18-19 जनवरी की दरमियानी रात इस बाघ को रेडियो कॉलर लगाकर अभयारण्य के कोर वन क्षेत्र में छोड़ा गया था। दो दिनों तक उस बाघ की लोकेशन एक जगह मिलती रही तो अधिकारियों को संदेह हुआ। सोमवार को घटना स्थल की खोजी श्वान से जांच कराई गई। इसके बाद बाघ का शव बरामद हुआ।

लातूर के कॉलेज में छात्र की चाकू मारकर हत्या

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर शहर के एक कॉलेज में छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। औसा रोड पर कॉलेज कैंपस मे यह घटना हुई। पुलिस ने इस मामले में चार स्टूडेंट्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कॉलेज के थर्ड ईयर डिप्लोमा कोर्स के छात्रों के दो गुटों के बीच आपसी झगड़े के बाद बात हाथापाई तक पहुंच गई। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में विक्रम नारायण पांचाल (20) नाम के एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

युवती के साथ धोती-कुर्ता, त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला पहनकर आया था

महाकाल मंदिर पहुंचे मुस्लिम युवक की पिटाई

उज्जैन, एजेंसी

उज्जैन में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने धोती-कुर्ता, माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष की माला पहने मुस्लिम युवक की पिटाई कर दी। वह एक युवती के साथ मोहाली से उज्जैन आया था। नानाखेड़ा क्षेत्र में सोमवार रात को बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पकड़कर उससे पूछताछ की और बाद में मारपीट की। इसका वीडियो आज सामने आया है, जिसमें युवक अपना नाम जफर खान और खुद को

शिव भक्त बता रहा है। बजरंग दल को सूचना मिली थी कि अलग-अलग राज्यों से आए युवक-युवती एक होटल में ठहरे हुए हैं। करीब एक घंटे इंतजार के बाद होटल के बाहर धोती-कुर्ता पहने जफर खान नाम के युवक को कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। पूछताछ में उसने पहले हिंदू नाम बताया, लेकिन सख्ती करने पर अपना नाम जफर खान स्वीकार किया। जफर ने कहा कि वह शिव भक्त है और युवती उसे भगवान शिव के दर्शन कराने उज्जैन लाई थी। दोनों ने महाकाल मंदिर, हरसिद्धि मंदिर और काल भैरव मंदिर के दर्शन किए थे।

विधानसभा में बजट सत्र का दूसरा दिन

गंदे पानी की बोतलें लेकर पहुंचे विधायक, नारेबाजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की विधानसभा के बजट सत्र का आज दूसरा दिन है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान तिलहन संघ के कर्मचारियों के वेतनमान और पंचायतों में कबड्डी मैट उपलब्ध कराने को लेकर सवाल पूछे गए।

इधर, कांग्रेस विधायक आतिफ अकील गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का संकल्प लेकर आए। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मस्जिदों में मुल्ला-मौलवियों से कसम करवा दी जाए तो गाय कटनी बंद हो जाएगी। इससे पहले, विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण हुई मौतों को लेकर प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस विधायक गंदे पानी की बोतल लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने गांधी प्रतिमा के सामने नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इंदौर की जनता श्मशान जा रही है और जिम्मेदार लोग कुर्सी पर बैठे हैं। उज्जैन के तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि इंदौर प्रशासन और बीजेपी सरकार ने इस घटना से पूरे विश्व में शर्मसार किया है। आज सदन में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा मौजूदा वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश कर रहे है। यह अनुपूरक बजट करीब 20 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है। इसके साथ ही आज आर्थिक सर्वेक्षण भी सदन के पटल पर रखा जाएगा।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल मंगुभाई पटेल के दिए गए अभिभाषण पर सदन में चर्चा हो रही है। सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायकों ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों और छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मुद्दे पर हंगामा किया था। हंगामे के कारण राज्यपाल पूरा अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से चले गए थे। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ा हुआ माना जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं

एपस्टीन ने मेरे खिलाफ काम किया वह नहीं चाहता था कि मैं राष्ट्रपति बनूं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के मामले में कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि एपस्टिन नहीं चाहता था कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति बनें इसलिए उनके खिलाफ काम किया।'एयर फ़ोर्स वन' पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि एपस्टीन मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है और वे इस मामले में पूरी तरह पाक-साफ हैं।

सभी आरोप निराधार

एपस्टीन मामले में विरोधियों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर ट्रंप ने कहा, 'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मुझे इस मामले में पूरी तरह दोषमुक्त किया जा चुका है। मेरा जेफरी एपस्टीन से कोई संबंध नहीं है।'

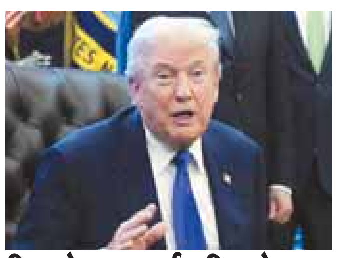

बिल गेट्स एआई समिट से बाहर

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स के एआई इंपैक्ट समिट में शामिल होने की उम्मीद न के बराबर है। एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद सरकार ने उनके निमंत्रण की फिर से समीक्षा की है। सूत्रों के अनुसार सरकार का कहना है कि वह एपस्टीन के चुंगल से बचे हुए लोगों के साथ खड़ी है। बिल गेट्स का नाम अब एआई इम्पैक्ट समिट वेबसाइट पर नहीं दिख रहा है। एपस्टीन फाइल्स में नेताओं से लेकर बिजनेस के बड़े नामों तक दर्जनों हाई-प्रोफाइल लोगों के नाम शामिल हैं।

भारत ने ईरान से जुड़े तीन तेल टैंकर जब्त किए

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

भारत ने तीन अमेरिकी प्रतिबंधित तेल टैंकर जब्त किए है। जो ईरान से जुड़े थे। इस कदम का उद्देश्य अपनी समुद्री सीमा में अवैध तेल व्यापार और जहाजों के बीच छिपे हुए ट्रांसफर को रोकना है, जिससे तेल की वास्तविक उत्पत्ति का पता नहीं चलत। सूत्रों के अनुसार इन तीन टैंकरों (स्टेलर रूबी, अस्फाल्ट स्टार और अल जफजिआ) ने अक्सर अपनी पहचान बदलकर कानून से बचने की कोशिश की। इन टैंकरों के मालिक विदेशों में स्थित हैं। जबकि ईरान की राष्ट्रीय तेल कंपनी ने बताया कि इन तीन टैंकरों का उनके साथ कोई संबंध नहीं था। भारतीय तटरक्षक ने अपने समुद्री क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी के लिए लगभग 55 जहाज और 10-12 विमान तैनात किए हैं। पिछले महीने ही एक अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह को भी तटरक्षक ने पकड़ा था। सूत्रों के अनुसार, ये टैंकर बड़े पैमाने पर सस्ते तेल और तेल आधारित माल को मध्य समुद्र में अन्य जहाजों में ट्रांसफर कर तस्करी करते थे। बताया गया है कि ये जहाज पहचान छिपाने के लिए बार-बार अपना नाम, झंडा और अन्य पहचान बदल रहे थे। भारत की तटरक्षक टीम ने इलेक्ट्रॉनिक डेटा, दस्तावेजों की जांच और क्रू से पूछताछ कर अपराधियों के काम करने का तरीका उजागर किया।

मेट्रो एंकर

आईआईटी गांधीनगर की रिसर्च 'अर्थ्स फ्यूचर' में छपी, सामने आई डराने वाली सच्चाई

सूखती गंगा और लबालब होती सिंधु... भारत की जल सुरक्षा पर खतरा

नईदिल्ली. एजेंसी

आईआईटी गांधीनगर की एक रिपोर्ट ने भारत के पर्यावरणविदों को गहरी चिंता में डाल दिया है। भारतीय उपमहाद्वीप की दो सबसे बड़ी नदी प्रणालियों सिंधु और गंगा को लेकर की गई स्टडी में बताया गया है कि एक तरफ जहां सिंधु नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं गंगा बेसिन तेजी से सूख रहा है। 'अर्थ्स फ्यूचर' जर्नल में प्रकाशित ताजा रिपोर्ट में 1980 से 2021 के बीच के डेटा का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया गया कि पिछले चार दशकों में सिंधु बेसिन के प्रवाह में 8 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि गंगा बेसिन के जल प्रवाह में 17 फ़ीसदी की भारी गिरावट हुई है।

यह स्टडी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें हाई-रिज़ॉल्यूशन भौतिक मॉडल का उपयोग किया गया है। इसमें बारिश, भूजल, नदियों के

बहाव और सिंचाई के लिए होने वाली पंपिंग के बीच के संबंध को बारीकी से परखा गया है। आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर विमल मिश्रा कहते हैं, यह बदलाव न केवल पर्यावरण के लिए चिंताजनक है, बल्कि यह भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों पुराने जल समझौतों पर भी पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है। गंगा का इस तरह सूखना पिछले 1,300 सालों में सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है, जो करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकती है। सिंधु नदी प्रणाली में पानी बढ़ने का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ और मानसून के बदलते पैटर्न को माना जा रहा है। स्टडी के अनुसार, मुख्य सिंधु नदी और उसकी पश्चिमी सहायक नदियों जैसे झेलम और चिनाब में जलस्तर बढ़ा है। हालांकि, यह बढ़ोतरी पूरे बेसिन में एक समान नहीं है। सिंधु की पूर्वी सहायक नदियां जैसे रावी और सतलुज बेसिन में कुल वृद्धि के बावजूद गिरावट का सामना कर रही हैं। सिंधु जल संधि के तहत ये नदियां भारत के हिस्से में आती हैं, जिनका सूखना खेती के लिए एक बड़ा संकट बन सकता है।

भूजल का अंधाधुंध दोहन

गंगा बेसिन में जल प्रवाह कम होने के पीछे सिर्फ कम बारिश ही एकमात्र कारण नहीं है। स्टडी बताती है कि इसका सबसे बड़ा कारण सिंचाई के लिए भूजल का अंधाधुंध दोहन है। गंगा बेसिन के कई हिस्सों में नदियों के कुल प्रवाह का 50ल से 70ल हिस्सा भूजल से आता है. जब किसान बड़े पैमाने पर पंपिंग करते हैं, तो नदियों तक पहुंचने वाला पानी कम हो जाता है। यमुना और ऊपरी गंगा के कुछ हिस्सों में तो स्थिति इतनी खराब है कि नदियों का पानी ही जमीन के नीचे सूख चुके एक्विफर्स में समा रहा है।

सिंधु जल संधि पर असर

नदियों के बदलते मिजाज का सीधा असर 1960 की सिंधु जल संधि पर पड़ सकता है। भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद इस संधि को निलंबित कर दिया था। अब भारत अपनी पश्चिमी नदियों के हिस्से का उपयोग करने के लिए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को तेजी से मंजूरी दे रहा है। पाकिस्तान की कृषि काफी हद तक सिंधु के मुख्य प्रवाह पर टिकी है, जबकि भारतीय पंजाब में भूजल का स्तर गिरने से स्थिति नाजुक होती जा रही है।

ब्लू लाइन मेट्रो की बढ़ी रफ्तार...

भोपाल मेट्रो के फेज-3 ब्लू लाइन के सुस्त पड़े कामों ने रफ्तार पकड़ ली है। भारत माता चौराहे से लेकर लिली टाकीज तक करीब पांच किलोमीटर के रूट पर पिछले छह महीने से लगभग काम ठप था, लेकिन जैसे ही डिजाइन में बदलाव का मसला सुलझा वैसे ही मेट्रो के अधिकारी दोबारा फील्ड में नजर आने लगे हैं। यह रूट एलिवेटेड ही बनाया जाना है। इसलिए मेट्रो रूट की बाधाओं को दूर करने में जुटा हुआ है। ब्लू लाइन के 14.21 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर सबसे ज्यादा 250 संरचनाओं को चिह्नित किया गया है। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि डिजाइन का मसला सुलझ गया है। इसलिए रूट की बाधाएं हटाई जा रही है। ताकि तय समय सीमा में इस प्रोजेक्ट को पूरा किया जा सके।

व्यापारियों ने खुद आगे आकर हटाया अतिक्रमण

जवाहर चौक मुख्य मार्ग पर बिजली के खंभों को मशीनों की सहायता से हटाने का काम चल रहा है। सिविल वर्क के साथ-साथ सिस्टम कार्यों के आर्डर भी जारी कर दिए गए हैं, जिससे तकनीकी कार्यों में भी देरी नहीं होगी। ब्लू लाइन के रूट में आ रही 250 संरचनाओं को हटाने की शुरुआत हो चुकी है। रूट के दायरे में आने वाली संरचनाओं को हटाने के लिए चलाए जा रहे संयुक्त सर्वे के दौरान, व्यापारियों ने खुद ही दुकानों के आगे का हिस्सा हटाना शुरू कर दिया है। भदभदा और रत्नागिरी पर पिलर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। भारत माता चौराहे व भदभदा के बीच कई पिलर तैयार हैं और कुछ पर गर्डर भी रखे जा चुके हैं।

जून 2028 तक रूट पूरा करने का लक्ष्य

बताया जाता है कि भारत माता चौराहे से लिली टाकीज रोड तक बैरिकेटिंग का काम इस सप्ताह से शुरू हो सकता है। जिसके बाद खोदाई का काम शुरू किया जाएगा। ज्ञात हो कि पिछले साल उक्त मार्ग पर बैरिकेटिंग की गई थी। धार्मिक कार्यक्रम और फिर बाद में डिजाइन में बदलाव की मांग के चलते मेट्रो को हटानी पड़ी थी। जानकारी के अनुसार बैरिकेटिंग का काम दोबारा शुरू होने वाला है। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार ब्लू लाइन में आने वाली बाधक संरचनाओं को हटाने और खोदाई और निर्माण का कार्य एक साथ किया जाएगा। ताकि जून 2028 तक इस रूट का काम पूरा किया जा सके।

प्रदेश के 1.44 लाख विद्यार्थियों की पढ़ाई पर संकट

छात्रवृत्ति अटकी, फीस नहीं भरने पर परीक्षा और क्लास से रोके जा रहे छात्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के कालेजों में अध्ययनरत करीब 1.44 लाख विद्यार्थियों की पढ़ाई पर संकट गहरा गया है। विशेष वर्ग की छात्रवृत्ति की राशि समय पर जारी न होने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राएं गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। यह छात्रवृत्ति उनकी पढ़ाई जारी रखने का सहारा होती है, लेकिन भुगतान में देरी या रोक के कारण कई विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित हो रही है।विद्यार्थियों का कहना है कि फीस जमा न कर पाने की स्थिति में कॉलेज प्रशासन द्वारा परीक्षा फार्म भरने और कक्षाओं में बैठने पर भी रोक लगाई जा रही है। ऐसे में कई विद्यार्थी बीच सत्र में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि कई विद्यार्थियों का डाटा अपडेट नहीं हुआ है। इस कारण देरी हो रही है। बता दें, कि मध्य प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर से पिछले एक सप्ताह में छह विद्यार्थियों ने आर्थिक कारणों से अपना पाठ्यक्रम छोड़ दिया है। यह स्थिति प्रदेश के अन्य शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में भी देखने को मिल रही है।

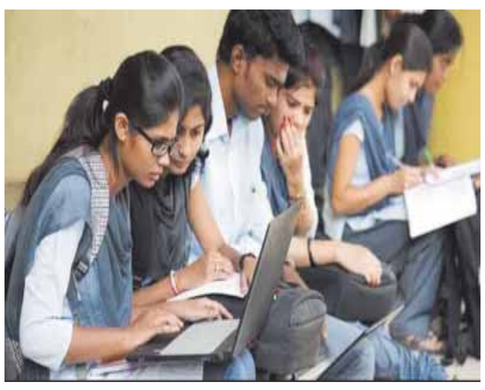

कॉलेजों संचालक फीस जमा करने का दबाव बना रहे हैं

विद्यार्थियों का कहना है कि फीस जमा न होने से परीक्षा फार्म भरने और प्रवेश नवीनीकरण में दिक्कत आ रही है।कई कालेजों में बकाया फीस के कारण विद्यार्थियों पर दबाव भी बनाया जा रहा है। विद्यार्थियों ने सरकार से जल्द छात्रवृत्ति राशि जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि देरी से न केवल पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

छात्रवृत्ति नहीं मिलने के पीछे यह है प्रमुख कारण

- बजट आवंटन में देरी।
- विभागीय स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया लंबित होना।
- कॉलेजों द्वारा समय पर पोर्टल पर जानकारी अपडेट न करना।
- तकनीकी गड़बड़ी या बैंक खातों का आधार से लिंक न होना।

ये छात्रवृत्ति दी जाती है

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- यह योजना अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कालेज विद्यार्थियों के लिए है।
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाने वाली सहायता।
गांव की बेटी योजना- ग्रामीण क्षेत्र की मेधावी छात्राओं के लिए विशेष सहायता।
प्रतिभा किरण योजना- शहरी गरीब परिवारों की छात्राओं के लिए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता योजना- सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए।

सौर ऊर्जा : तीन योजनाओं में फंसे किसान

किसानों को समय पर नहीं मिल पा रहा एक्सटेंशन, सब्सिडी पर भी सवाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र में किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई योजनाएं अब उलझनों में फंसती नजर आ रही हैं। पीएम-कुसुम और पीएम कृषक मित्र सूर्य योजना से जुड़े किसान अलग-अलग स्तर पर परेशान हैं। कहीं पुराने किसानों को समय विस्तार (एक्सटेंशन) नहीं मिल रहा, कहीं नए किसानों के 4000 मेगावॉट के पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) डेढ़ महीने से अटके हैं, तो जिलों में सोलर पंप योजना में सब्सिडी और कर्ज की शर्तों को लेकर भ्रम बना हुआ है।

पीएम-कुसुम योजना के तहत ऊर्जा विकास निगम ने दिसंबर में करीब 85 किसानों को लेटर ऑफ अलॉटमेंट (एलओए) जारी किए थे। इनसे कुल 4000 मेगावॉट सौर उत्पादन का लक्ष्य तय किया गया है। सरकार 2.40 से 2.85 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदेगी। लेकिन डेढ़ महीना बीतने के बाद भी एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीएमसीएल) ने पीपीए का वितरण शुरू नहीं किया है।

पीएम कृषक मित्र सूर्य योजना में भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कई जिलों में बैंकों ने सोलर पंप के लिए लोन स्वीकृत कर दिए हैं। नीमच जिले में एक किसान की परियोजना लागत 4.04 लाख रुपए बताई गई है। इसमें केवल 1.09 लाख रुपए सब्सिडी दर्ज है। किसान से करीब 41 हजार रुपए मार्जिन मनी ली गई है और शेष 2.53 लाख रुपए बैंक ऋण के रूप में दिए

गए हैं। किसानों को 84 महीनों तक लगभग 3,987 प्रतिमाह ईएमआई चुकानी होगी। पिछले साल जनवरी में जिन किसानों से पीपीए किए गए थे, उन्हें काम शुरू करने में देरी हुई और बारिश के कारण तय समय में प्लांट नहीं लग सका। अब वे समय विस्तार की मांग कर रहे हैं, लेकिन कंपनी एक्सटेंशन देने को तैयार नहीं है। इससे कई किसानों के करोड़ों रुपए फंसे हुए हैं।

वहीं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पीपीए के मामले में हमने नियामक आयोग से प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है ताकि परियोजनाएं समय पर शुरू हों। वहीं सोलर पंप में सब्सिडी को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। इस योजना में किस्त सरकार ही भरेगी।

मैरिज रिसेप्शन में सिलेंडर ब्लास्ट, 50 फीट तक उठीं लपटें

होटल में मेहमानों ने भागकर बचाई अपनी जान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में मैरिज रिसेप्शन के दौरान गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि कई किलोमीटर दूर तक आवाज सुनाई दी, जबकि आग की लपटें 50 फीट तक ऊपर उठ गईं। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शादी में आए लोग इधर-उधर भागने लगे।

घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। भौंरी स्थित होटल प्ले एंड रिसोर्ट में देर रात शादी का रिसेप्शन चल रहा था। तभी यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संभवत- शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी। इस दौरान यहां रखे एक गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने का काम रात 12 बजे तक चलता रहा। गांधीनगर, बैरागढ़ और फतेहगढ़ फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची। लोगों में अफरा-तफरी मची रिसेप्शन के दौरान ही होटल एंड रिसोर्ट में आग लगने की घटना से दहशत का माहौल हो गया। इस दौरान शादी में आए लोग भागने लगे। गनीमत रही कि जिस जगह पर आग लगी, वहां कोई नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जहां सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ, वहां पर कुछ देर पहले गाड़ियां खड़ी थी। यदि ब्लास्ट तब होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। रात में ही जेसीबी की मदद ली गई और आगजनी वाली जगह को ठीक किया गया। देर रात तक दमकलें मौके पर मौजूद रहीं। हालांकि, धुआं अभी भी निकल रहा है। इस कारण दमकलें मौके पर ही तैनात की गई है।

एमडी अग्निहोत्री की देह मेडिकल कॉलेज को दान

भोपाल। वेस्ट सेंट्रल रेलवे भोपाल के सेवानिवृत चीफ टिकट इंस्पेक्टर एमडी अग्निहोत्री का सोमवार को निधन हो गया। स्वर्गीय अग्निहोत्री ने चिकित्सा शिक्षा एवं छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए अपने जीवनकाल में ही देहदान का संकल्प लिया था। उनके पत्नी श्रीमती पद्मा अग्निहोत्री एवं परिवार द्वारा इस संकल्प का सम्मान करते हुए जेके हॉस्पिटल को देहदान किया गया।

जल्द ही फ्लाईओवर की बाधा होगी दूर

भोपाल। आनंद नगर तिराहे पर फ्लाईओवर निर्माण की बाधाओं को दूर करने के लिए प्रशासन एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह एसडीएम भुवन गुप्ता के नेतृत्व में करीब 160 अवैध दुकानों को जमींदोज करने के बाद अब अंतिम चरण का काम बाकी है।

कथा परिवार की आकार में छोटी लेकिन प्रभाव में बड़ी सदस्य है लघुकथा - विकास दवे

साहित्य अकादमी द्वारा लघुकथा महोत्सव का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथा कथा परिवार की आकार में छोटी लेकिन प्रभाव में बड़ी सदस्य है। इसकी लोकप्रियता लेखकों ,पाठकों और आलोचकों के बीच उसके लघु आकार के कारण ही नहीं बल्कि उसके तीव्र प्रहार और प्रभाव के कारण हुई है। यह उदगार साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के निदेशक डॉ. विकास दवे ने व्यक्त किये। वे साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित लघुकथा महोत्सव -2026 में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र भोपाल ने कहा आज प्रदेश में लघुकथा के लिये ऐतिहासिक दिन है।

नये लघुकथा लेखक अच्छा लेखन कर रहे हैं। लेखन के लिये पढना बहुत जरूरी है । इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम वल्लभ आचार्य एवं कुमार सुरेश ने भी अपने विचार रखते हुए लघुकथा विधा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी उपस्थित जनों को बधाई दी ।

कार्यक्रम का संचालन लघुकथा शोध केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजय सक्सेना, गोविन्द पॉल, सरोज दवे, विनोद जैन, चरणजीत सिंह कुकरेजा, डॉ. मालती बसंत, डॉ. गिरजेश सक्सेना, गोकुल सोनी, सुधा दुबे, राजकुमार बरुआ,सुनीता प्रकाश, मेघा मैथिल, मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी नीना सिंह सोलंकी, नीतिराज चौरे, जया केतकी सहित नगर के पचास लघुकथाकारों ने विविध विषयों पर केंद्रित अपनी -अपनी उत्कृष्ट लघुकथाओं का वाचन किया। कांता रॉय ने उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया।

मेट्रो एंकर

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रावत बोले, सभी की भूमिका महत्वपूर्ण

बीलएओ से सीईओ तक सभी इलेक्शन कमीशन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा है कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से लेकर चीफ इलेक्शन ऑफिसर (सीईओ) तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं। निर्वाचन में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वन नेशन-वन इलेक्शन÷ को लागू करने पर भी राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी होंगे। इनका महत्व किसी भी स्थिति में कम नहीं होगा।

सोमवार को प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रावत ने ÷वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका÷ विषय पर संबोधन में कहा कि इस पर चर्चा 2015 में शुरू हई थी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसमें सहमति व्यक्त की गयी थी। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रावत ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन÷ को लागू करने पर भी राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी होंगे। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव इनके माध्यम ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि वन नेशन-वन इलेक्शन का ड्राफ्ट जरूर मंजूर होगा। रावत ने माडल कोड ऑफ कंडक्ट के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

निकाय चुनावों को गंभीरता से नहीं लेते

पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आर. परशुराम ने स्थानीय निर्वाचन में सुधार की चुनौती विषय पर कहा कि बुद्धिजीवी वर्ग और मीडिया नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनावों को गंभीरता से नहीं लेता है जबकि हर वोट-हर निकाय महत्वपूर्ण है। परशुराम ने कहा कि चुनाव, चुनाव होता है, चाहे वह लोकसभा का हो या पंचायत का। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में प्रिपेयर, प्रिपेयर और प्रिपेयर के फार्मूले का हमेशा पालन करना चाहिए। नवीनतम तकनीकों के उपयोग से घबराना नहीं चाहिए।

देश में मतदाता जागरुक हुए

विभागाध्यक्ष दैनिक भास्कर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म नरेन्द्र कुमार सिंह ने 卐जमीनी लोकतंत्र में पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव 卐 विषय पर 1952 के प्रथम लोकसभा निर्वाचन से लेकर वर्तमान लोकसभा निर्वाचन तक के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि सन 1977 के चुनावों ने सिद्ध कर दिया कि देश में मतदाता बहुत हुए जागरुक हैं और लोकतंत्र में आस्था मजबूत हुई। सिंह ने बताया कि ब्रिटेन में वर्ष 1928 में सभी को मताधिकार मिला जबकि भारत ने स्वतंत्र होने के साथ ही सभी को मताधिकार (यूनिवर्सल एडल्ट फेंचाइज) दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन सेठ ने स्थानीय निर्वाचन में न्यायालीन सबक विषय पर विचार रखे।

हिंदू वाहिनी संघ ने निकाली शिव बारात

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महाशिवरात्रि पर हिंदू वाहिनी संघ (बजरंग वाहिनी) परिवार नया भोपाल कटारा ब्लॉक के पदाधिकारियों द्वारा शिवबारात एवं चल समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन की रुप रेखा एवं तैयारियों की जिम्मेदारी संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री हिन्दू सीताशरण के नेतृत्व में भोपाल जिला प्रभारी हिन्दू विनय एवं जिलाध्यक्ष हिन्दू भूपेंद्र, प्रदेश अध्यक्ष हिन्दू नेपाल, हिन्दू नरेंद्र, हिन्दू आकाश, हिंदू विकास, हिंदू गुरु वचन, हिंदू हरीश, हिंदू राजवीर, हिंदू बृजेश, हिंदू अंकित, हिंदू रंजीत, हिंदू ललित, हिंदू विनोद, हिंदू संतोष, हिंदू पंकज, हिंदू श्याम, हिंदू विमल, हिंदू कमलेश, हिंदू रवि, मुख्य तौर पर प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षा प्रकोष्ठ हिन्दू विशाल, प्रदेश उपाध्यक्ष हिन्दू केशव, हिन्दू संदीप, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ हिन्दू रेखा, हिंदू शिखा, हिंदू आरती, हिंदू शोभा, हिंदू रेखा सहित बडी संख्या में संगठन के पदाधिकारियों के साथ आमजन नागरिक बन्धुओं ने सहभागिता की।

मप्र का डिजिटल नवाचार, सीएम डॉ. यादव ने शुरू किया साइबर पंजीयन कार्यालय

किसी भी जिले या राज्य से घर बैठे होगा लोन लीज डीड सहित 75 दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र ने संपदा 1.0 और सम्पदा 2.0 के बाद मप्र ने अब नया डिजिटल नवाचार किया है। अब 141 दस्तावेजों में से लोन, लीज डीड, पावर ऑफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसे 75 तरह के दस्तावेज बिना सब रजिस्ट्रार के दफ्तर गए मप्र या किसी भी राज्य से घर बैठे रजिस्टर किए जा सकेंगे। कुछ ही मिनटों में रजिस्टर दस्तावेज की कॉपी पक्षकार को उनके मोबाइल या लैपटॉप में मिल जाएगी। इसके लिए भोपाल स्थित पंजीयन भवन में साइबर सब रजिस्ट्रार कार्यालय ने काम शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी में कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब सरकार और उसके उपक्रमों के ट्रांसफर से जुड़े दस्तावेजों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। नागरिक कहीं बैठकर दस्तावेज ऑनलाइन रजिस्टर करा पाएंगे। अब तक संपदा 2.0 में 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पंजीयन से जुड़े कामों को त्रुटि रहित बनाने के प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई है। विदेश में रहने वालों को भी इस नई सुविधा का फायदा मिलेगा।

आईजी पंजीयन अमित तोमर ने कहा कि अब तक भोपाल में बैठे सब रजिस्ट्रार बाहर के जिलों के दस्तावजों के पंजीयन नहीं कर सकते थे। अब साइबर सब रजिस्ट्रार यहीं बैठकर प्रदेश भर में कहीं के दस्तावेजों का ऑनलाइन पंजीयन करेंगे। जनता की सुविधा के लिए कई दस्तावेजों के फॉर्मेट भी ऑनलाइन अपलोड किए गए हैं।

75 से अधिक सेवाओं के लिए सायबर पंजीयन शुरू

सीएम ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार विकास के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता, तत्परता, नवाचार और जनकल्याण को प्रोत्साहन दे रही है। पंजीयन विभाग के सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ इसी संकल्प की सिद्धि का प्रमाण है। संपदा-1.0 और संपदा 2.0 के बाद प्रदेश में सायबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित सुशासन की नई शुरुआत है। मध्यप्रदेश तेजी से बदल रहा है। मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है, जिसने डिजिटल क्रांति के माध्यम से लोन, मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पावर आफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसी है। राज्य सरकार के इस नवाचार से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिल रहा है। यह नई पीढ़ी के लिए पर्यावरण और पारदर्शिता के मामले में महत्वपूर्ण होगा।

जनता को नहीं आना पड़ेगा पंजीयन कार्यालय

सीएम ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के अंतरण के लिए जनता को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वीडियो केवायसी सहित सभी कार्य होंगे, इससे धन और समय दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संपदा 2.0 के नवाचार को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। राज्य सरकार ने 55 जिलों में सायबर तहसील परियोजना को लागू किया है, जिसमें राजस्व बंटवारा, नामांतरण की प्रक्रिया भी संपदा 2.0 से हो सकती है।

पेपरलेस हो रहे चल-अचल के दस्तावेज

उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में दस्तावेजों के पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग के लिए एडवांस सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 लागू किया। इससे चल और अचल संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल और पेपरलेस तरीके से पंजीकृत हो रहे हैं। कई दस्तावेज तो ऐसे हैं जिनके लिए उप-पंजीयक कार्यालय भी नहीं आना पड़ता है। सबसे पहले गुना,हरदा, रतलाम और डिण्डौरी जिलों में नए ई-पंजीयन और ई- स्थम्पिंग सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 का सफल पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था। प्रदेश के नवाचारों को देशभर में सराहा गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जारी इन नवाचारों का लाभ प्रदेश के नागरिकों को मिल रहा हैं। पंजीयन से जुड़े कार्यों को त्रूटि रहित पूरा करने के लिए प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव अमित राठौर, प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक अमित तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम से जिलों के अधिकारी, बैंककर्मी और लाभार्थी वर्चुअली जुड़े।

एसआईआर: भोपाल में 3.80 लाख नाम हटाए गए

मंत्री सारंग-गौर की विस में घटे 1.52 लाख वोटर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में भोपाल की वोटर संख्या को लेकर तस्वीर लगभग साफ हो गई है। पहले सर्वे और फिर दावे-आपत्तियों की सुनवाई के बाद वोटर लिस्ट से 3.80 लाख से ज्यादा वोटर कम हो गए हैं। सबसे ज्यादा नाम मंत्री कृष्णा गौर की विधानसभा गोविंदपुरा से 81 हजार कट चुके हैं, जबकि मंत्री विश्वास सारंग की विधानसभा नरेला में यह आंकड़ा 70 हजार के पार है।

बता दें, 23 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इसके बाद 22 जनवरी तक बूथ लेवल ऑफिसर यानी, बीएलओ अपने-अपने बूथ पर बैठें। इस दौरान उन्होंने नए फॉर्म 6, 7 और 8 प्राप्त किए। एसआईआर में जिन मतदाताओं को %नो मैपिंग% में रखा गया कि उन्हें नोटिस जारी किए गए और 50 दिन के अंदर उनका रिकॉर्ड देखा। 14 फरवरी तक ये काम पूरा हो गया। अब फाइनल मतदाता सूची 21 फरवरी को जारी होगी।

पहले इतनी थी मतदाता संख्या- एसआईआर से पहले 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में भोपाल की मतदाता संख्या 21 लाख 25 हजार 908 थी, जो 14 फरवरी को 17 लाख 45 हजार 552 हो गई है। इस तरह वोटर लिस्ट से 3 लाख 80 हजार 357 मतदाता कम हो जाएंगे।

थर्ड जेंडर वोटर भी कम हुए- एसआईआर की प्रक्रिया के बाद थर्ड जेंडर वोटर भी कम हुए हैं। पहले कुल 166 थर्ड जेंडर वोटर्स थे, जो अब 72 रह गए हैं। पहले मध्य विधानसभा में कुल 104 वोटर थे। यह आंकड़ा अब 35 पर आ गया है।

ऐसे समझे भोपाल की 7 विधानसभा की तस्वीर

- बैरसिया विस से सबसे कम 8 हजार 889 वोटर कम हो जाएंगे। यहां बीजेपी के विष्णु खत्री विधायक हैं।
- भोपाल उत्तर से कुल 44 हजार 94 मतदाता कम हुए हैं। यहां कांग्रेस के आतिफ अकील विधायक हैं।
- नरेला विधानसभा में 70 हजार 917 मतदाता कम हो जाएंगे। यह विधानसभा मंत्री विश्वास सारंग की है।
- भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा से 61 हजार 515 वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इस विधानसभा से बीजेपी के भगवानदास सबनानी विधायक हैं।
- भोपाल मध्य से भी 62 हजार 960 मतदाता कम हो जाएंगे। यह विधानसभा कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद की है।
- मंत्री कृष्णा गौर गोविंदपुरा विधानसभा से लगातार निर्वाचित हुई हैं। इस विधानसभा से सबसे ज्यादा 81 हजार 143 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं।
- हुजूर विधानसभा से 50 हजार 838 मतदाताओं के नाम कम हो जाएंगे। इस विधानसभा से बीजेपी के रामेश्वर शर्मा लगातार विधायक चुने गए हैं।

भव्य रिवर फ्रंट' के रूप में विकसित होंगे शिप्रा नदी के तट

64 करोड़ रुपए होंगे खर्च, 18 माह में संवारने की है योजना

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के तटों को 'भव्य रिवर फ्रंट' के रूप में विकसित करने की 64.24 करोड़ की परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। नगर निगम ने 'वाटर रिजुवेनेशन प्रोजेक्ट' के तहत नदी तटों का संरक्षण, घाटों का पुनर्विकास और आधुनिक जनसुविधाओं का निर्माण अगले 18 महीनों में कराना तय किया है। ताकि सिंहस्थ से पहले श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित और सुरक्षित घाट उपलब्ध हो सकें। परियोजना का मूल फोकस शिप्रा के पारिस्थितिक संतुलन को सुधारते हुए उसकी धार्मिक गरिमा को संरक्षित करना है। योजना अनुसार लगभग नौ किमी लंबे पुराने घाटों की मरम्मत कर पारंपरिक पत्थर की शैली में छतरियां, मंडप, मेहराब और शेड बनाए जाएंगे।

नदी किनारे लैंडस्केपिंग, हरित बफर जोन और पैदल प्रोमेनेड विकसित कर घाटों को एकीकृत रिवर फ्रंट का स्वरूप दिया जाएगा। इसके साथ ही बुजुर्गों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए रैंप, रेलिंग और बैरियर-फ्री पहुंच मार्ग बनाए जाएंगे, जिससे भीड़ के दबाव में भी सुरक्षित आवागमन संभव हो सके।

प्रशासन का लक्ष्य है कि सिंहस्थ से काफी पहले प्रमुख घाटों का ढांचा तैयार हो जाए। निर्माण के बाद संबंधित एजेंसी को पांच वर्षों तक संचालन और रखरखाव करना होगा। शुरुआती दो वर्ष डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड होंगे, जिसमें किसी भी तकनीकी कमी की जवाबदेही एजेंसी की रहेगी।

सिंहस्थ की जरूरतों के अनुसार प्लानिंग

परियोजना में भीड़ प्रबंधन, कचरा निस्तारण, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र को विशेष रूप से शामिल किया गया है। घाटों पर हाई-मास्ट लाइट, सर्च लाइट, चेतावनी सायरन, गार्ड रूम और पेयजल सुविधाएं विकसित होंगी। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान दुर्घटना जोखिम कम होगा और घाटों पर ठहराव की क्षमता बढ़ेगी। रिवरफ्रंट बनने से क्षिप्रा तट केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन आकर्षण के रूप में भी विकसित होगा। सुंदर प्रोमेनेड, बैठने की व्यवस्था और हरित क्षेत्र स्थानीय नागरिकों के लिए भी सार्वजनिक स्पेस का काम करेंगे। प्रशासन का मानना है कि इससे उज्जैन का धार्मिक पर्यटन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगा।

प्रोजेक्ट के प्रमुख कार्य

- पुराने घाटों का पत्थर से पुनर्विकास और संरचनात्मक मजबूती
- नदी किनारे प्रोमेनेड, लैंडस्केपिंग और ग्रीन बफर जोन
- छतरियां, मंडप, शेड, सुरक्षा रेलिंग और बैरियर
- फ्री रैंप - हाई-मास्ट लाइट, सर्च लाइट, चेतावनी सायरन व गार्ड रूम
- पेयजल, पहुंच मार्ग और भीड़ प्रबंधन की सुविधाएं
- जल शुद्धीकरण व पारिस्थितिक संतुलन सुधार के उपाय

एमएसएमई है औद्योगिक विकास की बैक बोन, मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में है अग्रणी

विकसित भारत @2047 के लक्ष्य में प्रदेश की होगी अहम भूमिका

आगामी 25 वर्ष में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रु. का लक्ष्य: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं विद्यान हैं। औद्योगिक निवेश प्राप्त करने, सोलर एनर्जी उत्पादन, कृषि उत्पादन सहित अनेक मामलों में मध्यप्रदेश, देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारतञ्च2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी क्षेत्रों के लिए 25 वर्षों का दृष्टिपत्र तैयार किया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अभी 1 लाख 55 हजार रुपए है। अगले 25 साल में इसे 22 लाख 50 हजार करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी है, लेकिन एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ (बैक बोन) है। राज्य सरकार एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में एक निजी मीडिया संस्थानके साथ चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का बेबाकी से उत्तर दिया।

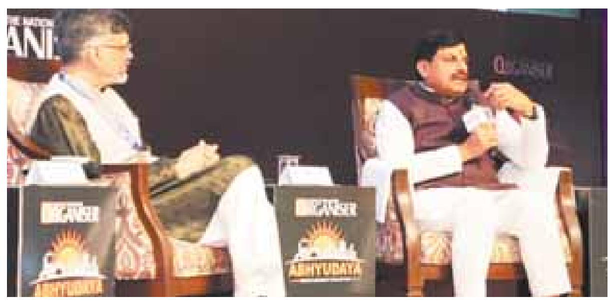

प्रदेश में लागू की गई 18 औद्योगिक नई नीतियां

प्रदेश में लागू की 18 नई औद्योगिक नीतियों की विशेषताओं पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों तक भी पहुंचे, इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टर्स पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। माइनिंग, टेक्सटाइल, टूरिज्म सहित अनेक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं। नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स तैयार करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां उद्योग शुरू करने के लिए तेजी से निवेशक आ रहे हैं।

नगरीय निकायों को कर संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहन राशि जारी

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना क्रमांक 6602 के अंतर्गत स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2.20 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्य प्रदेश द्वारा राज्य स्तर पर गठित विशेषज्ञ समिति ने निर्धारित कड़े मानदंडों और मूल्यांकन के आधार पर प्रदेश की 10 नगरपालिकाओं और 10 नगर परिषदों का चयन किया है। चयनित नगरपालिकाओं में खरगोन, सीहोर, मंदसौर, विदिशा, बालाघाट, बड़वानी एवं झाबुआ सम्मिलित हैं।

राज्य शासन के नियम विश्वविद्यालयों पर भी लागू

हाई कोर्ट का आदेश, पूरी ग्रेच्युटी और 7वें वेतनमान के अनुसार पेंशन का मिले लाभ

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि राज्य शासन द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को भी पूरी ग्रेच्युटी और सातवें वेतनमान के अनुसार पेंशन का लाभ दिया जाए। इस मत के साथ विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता को डीसीआरजी (ग्रेच्युटी) की शेष 10 लाख रुपये की राशि का भुगतान करें। साथ ही सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार उनकी पेंशन पुनःनिर्धारित कर भुगतान सुनिश्चित करें।

याचिकाकर्ता की दलील और कानूनी पक्ष- याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी डॉ. एमएलवी राव की ओर से याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजय शंकर रायजादा व अमित रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि राज्य शासन के परिपत्रों के अनुसार याचिकाकर्ता को अधिकतम 20 लाख रुपये की डीसीआरजी (ग्रेच्युटी) राशि का लाभ दिया जाना चाहिए था। उन्हें केवल ग्रेच्युटी के रूप में 10 लाख रुपये व छठे वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार पेंशन दी जा रही है।

सातवें वेतनमान की अनिवार्यता

राज्य शासन द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार सातवें वेतन आयोग की सिफारिश विश्वविद्यालयों पर लागू की जा चुकी है, इसलिए विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बढ़ी हुई ग्रेच्युटी व संशोधित पेंशन का लाभ दिया जाना अनिवार्य है।

तिंछा फाल सहित प्रदेश के 38 जगहों पर होगी गिद्धों की गिनती

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में तेजी से कम हो रही गिद्धों की संख्या को लेकर वन विभाग अब गंभीर हो गया है। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सक्रिय विभाग ने फैसला किया है कि अब साल में दो बार गिद्धों की गणना की जाएगी। सर्दियों और गर्मियों दोनों मौसम में इनकी गिनती कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा।

बीते दिनों इंदौर वनमंडल में गणना को लेकर वनकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इंदौर, महू, चोरल और मानपुर रेंज के कर्मचारियों को गिद्धों की पहचान, गिनती की प्रक्रिया और जरूरी दिशा-निर्देश समझाए गए।

तीन दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा

अधिकारियों के मुताबिक 20 फरवरी से तीन दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 38 चिन्हित स्थानों पर सुबह 6 से 8 बजे तक टीमें मैदान में उतरेंगी। प्रदेश में गिद्धों की गिनती 2016 से हो रही है। तब 33 जिलों के 900 से अधिक स्थानों को चुना गया था। हर बार सुबह के समय ही गिनती की जाती है, क्योंकि उस समय गिद्ध खुले स्थानों या पेड़ों पर बैठे मिलते हैं। खाली जमीन और पेड़ों पर बैठे गिद्धों की संख्या दर्ज की जाती है और उनकी फोटोग्राफी भी की जाती है। ताकि रिकॉर्ड सुरक्षित रहे।

मेट्रो एंकर

ग्वालियर-चंबल में बदला मौसम, अचानक बढ़ी गर्मी

गेहूं की फसल पर असर पड़ने की आशंका, किसान परेशान

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर-चंबल अंचल में इस बार मौसम के मिजाज ने एक बार फिर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। फरवरी के मध्य में ही जिस तरह से पारा चढ़ना शुरू हुआ है, उसने सर्दी की विदाई और गर्मी की जल्द दस्तक के संकेत दे दिए हैं। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी दो से तीन दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की आशंका है।हालांकि बीच में एक दिन हल्की बूंदाबांदी का अंदेशा जरूर है, लेकिन यह बढ़ती गर्माहट को रोकने में नाकाफी साबित होगी। अचानक बढ़ते तापमान का सबसे नकारात्मक असर रबी सीजन की गेहूं की फसल पर पड़ता दिखाई दे रहा है। कृषि

वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि गर्मी इसी तरह बढ़ती रही, तो गेहूं के उत्पादन में गिरावट आ सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र कुशवाह के अनुसार, वर्तमान में गेहूं की फसल अपनी उस अवस्था में है जहां दाने बनने और उनके परिपक्व होने की प्रक्रिया चल रही है। गेहूं की फसल के लिए इस समय हल्की ठंडक की जरूरत होती है, ताकि दाना धीरे-धीरे और पूरी तरह विकसित हो सके। तापमान अधिक होने से गेहूं का दाना अपनी प्राकृतिक अवधि पूरी करने से पहले ही परिपक्व होने लगता है।

इसे वैज्ञानिक भाषा में फोर्स्ड -ैच्योरिटी कहते हैं। जब दाना समय से पहले पकता है, तो वह पूरी तरह फूल नहीं पाता। इसके परिणामस्वरूप गेहूं का दाना छोटा, पतला और हल्का रह जाता है। दानों का वजन कम होने और उनके सिकुड़ जाने से प्रति हेक्टेयर होने वाली पैदावार काफी कम हो सकती है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होगा। अंचल की दूसरी प्रमुख फसल सरसों की बात करें, तो बढ़ते तापमान का असर इस पर भी पड़ेगा, लेकिन गेहूं की तुलना में यह काफी कम होगा।

यह कर सकते हैं किसान

- हल्की सिंचाई : फसल में नमी बनाए रखने के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। इससे जमीन का तापमान कम रहेगा और फसल को हीट शाक नहीं लगेगा।
- निगरानी : गेहूं के पौधों में पीलापन या दानों के सूखने की स्थिति पर नजर रखें।
- पोटेशियम का छिड़काव : विशेषज्ञों की सलाह लेकर पोटैशियम जैसे तत्वों का प्रयोग करें जो पौधों को गर्मी सहने की शक्ति प्रदान करते हैं।

मौसम विभाग बता रहा हल्की बारिश का अनुमान- मौसम में आए बदलाव और बढ़ते तापमान से गेहूं की फसल अधिक प्रभावित होगी। हालांकि मौसम विभाग अभी हल्की बारिश का अनुमान बता रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि कम से कम फरवरी में तो ठंडक रहेगी। तापमान यदि बढ़ता है तो गेहूं के दाने की ग्रोथ प्रभावित होगी।

कानून और भरोसा

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) की भूमिका और विश्वसनीयता पर ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है, जिसे अब अनदेखा करना मुश्किल है। अदालत की नाराजगी केवल एक कार्यालय के स्थानांतरण या एक प्रशासनिक फैसले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस गहरी बेचैनी की अभिव्यक्ति है, जो वर्षों से लाखों घर खरीदारों के भीतर पल रही है। सवाल सीधा है- क्या रेरा आज भी आम आदमी के भरोसे का नाम है, या वह महज एक और सरकारी दफ्तर बनकर रह गया है? रेरा की परिकल्पना एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में की गई थी। उद्देश्य थाबिल्डरों की मनमानी पर लगाम, समय पर परियोजनाओं की डिलीवरी और खरीदारों के अधिकारों की सुरक्षा। लेकिन जमीनी सच्चाई इससे उलट दिखती है। जिन लोगों ने अपनी जीवन भर की कमाई से घर का सपना देखा, वे आज तारीखों, फाइलों और आदेशों के भूलभुलैया में उलझे हुए हैं। शिकायतें सालों तक लंबित रहती हैं, जबकि दोषी बिल्डरों को अक्सर राहत मिल जाती है। यह स्थिति व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करती है। हिमाचल प्रदेश में रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने का मामला इस व्यवस्था की मानसिकता को समझने के लिए काफी है। जिन क्षेत्रों से अधिकांश परियोजनाएं और शिकायतें जुड़ी हैं, वहीं से कार्यालय हटाना क्या सच में प्रशासनिक सुविधा है, या यह आम आदमी को हतोत्साहित करने का एक और तरीका? क्या फैसले लोगों की सहूलियत देखकर लिए जा रहे हैं, या केवल फाइलों की सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है? अदालत की यह टिप्पणी कि कई राज्यों में ऐसी संस्थाएं सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुनर्वास केंद्र बनती जा रही हैं, व्यवस्था की गंभीर बीमारी की ओर इशारा करती है। जब संस्थाओं का मकसद जनसेवा के बजाय पदस्थापन बन जाए, तो उनसे न्याय और पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है? सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या रेरा कानून केवल कागजों में सशक्त है? क्या नियमों का डर वास्तव में बिल्डरों को अनुशासित कर पा रहा है? या फिर यह कानून भी उन अनेक अधिनियमों की सूची में शामिल हो गया है, जो दिखने में मजबूत, पर व्यवहार में कमजोर साबित हुए? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी एक चेतावनी है- सिस्टम को आत्ममंथन करना होगा। रेरा को दफ्तर नहीं, भरोसे की संस्था बनना होगा। वरना यह सवाल बार-बार उठता रहेगा कि क्या आम नागरिक का सपना केवल एक अधूरा वादा बनकर रह जाएगा?

सृजन, सुविधा और नई संस्कृति, कायम रहे लेखक और पाठक के बीच का अदृश्य संबंध

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीक धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है, पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि 'लिखा कितना अच्छा है', बल्कि यह बन गया है कि 'लिखा किसने है और किस तरह लिखा है।' जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है।

समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन—यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है—भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से 'उचित'। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है।

आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारी पूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि 'मैं गलत भी हो सकता हूं'? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है—आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है—सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएं पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं।

एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए—शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए—और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अकर यह तर्क दिया जाता है

कि 'अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं।' पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है। यह कहना भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं में शत्रु नहीं है। हर तकनीक की तरह उसका मूल्य उसके उपयोग में निहित है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, सृजन का स्थान लेने लगती है। जब लेखक बनने के स्थान पर 'सामग्री उत्पादक' बनने की होड़ लग जाती है। जब पहचान मेहनत और अनुभव से नहीं, बल्कि उत्पादन की मात्रा से तय होने लगती है। भविष्य में संभवतः दो प्रकार के लेखन स्पष्ट रूप से दिखेंगे। एक, जो तेज होगा, चमकदार होगा, हर जगह उपलब्ध होगा—और शीघ्र भुला दिया जाएगा। दूसरा, जो धीमा होगा, सीमित होगा, कभी-कभी असुविधाजनक भी होगा—पर टिकेगा। क्योंकि वह किसी मनुष्य द्वारा चुकाई गई कीमत के साथ लिखा गया होगा। पाठक भी धीरे-धीरे इस अंतर को समझने लगेंगे। लेखक का मूल्य उसके साहस से आंका जाएगा—उस साहस से, जिसे किसी यंत्र से उधार नहीं लिया जा सकता। अंततः प्रश्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नहीं, हमारी ईमानदारी का है। सृजन सदैव कठिन रहा है और रहेगा। जो उसे अत्यधिक आसान बना देता है, वह अकसर उसे खोखला भी कर देता है। इसलिए आज, इस तकनीकी कोलाहल के बीच, सबसे आवश्यक प्रतिरोध यही है कि हम लिखते समय यह स्मरण रखें—शब्द केवल जोड़ने के लिए नहीं होते, जीने के लिए होते हैं। और जीवन की सच्ची अनुभूति की नकल कोई भी यंत्र, चाहे वह कितना ही कुशल क्यों न हो, पूर्ण रूप से नहीं कर सकता।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बांग्लादेश ने देखा राजनितिक भूचाल , नई सरकार को समझना होगा यूनुस का किरदार

योगेश कुमार सोनी
स्तंभकार

बीते दो वर्ष में बांग्लादेश ने राजनीतिक भूचाल देखा है। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा। अब बांग्लादेश की नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा । आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। अब सवाल सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा । बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए।

बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बीएनपी ने 300 में से 212 सीटों पर रिकॉर्ड जीत हासिल कर बहुमत हासिल किया है। जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को मात्र 77 सीटें हासिल हुई हैं।अन्य दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई।

अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजरा। अब बांग्लादेश सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नही है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि हसीना के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले गए। मोहम्मद यूनुस ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा कि थी वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेगी। यह अहम सवाल है। सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है।

संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पहली बार लिखा था कि यूनुस बांग्लादेश को मुश्किलों से बाहर निकाल रहे हैं और मानवाधिकारों को बहाल कर रहे हैं। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट एक्सपर्ट की राय, लाइफ स्टाइल में सुधार से बंद की जा सकती है कोलेस्ट्रॉल की दवा

कोलेस्ट्रॉल के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसमें युवाओं की तादाद बहुत ज्यादा है। कोलेस्ट्रॉल हमारे खून में पाया जाने वाला मोम जैसा पदार्थ है, जो नॉर्मल से ज्यादा हो जाए, तो स्ट्रोक और हार्ट अटैक की वजह बन सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो खराब लाइफस्टाइल, तला-भुना खाना, कम फिजिकल एक्टिविटी और अत्यधिक तनाव के कारण शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है। कई बार कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव करना पड़ता है, तो कुछ मरीजों को डॉक्टर स्टैटिन जैसी दवाएं देते हैं। अधिकतर मरीजों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि क्या यह दवा जिंदगी भर लेनी पड़ेगी।

नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल की सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वनीता अरोरा के अनुसार शरीर में जब बैड कोलेस्ट्रॉल यानी LDL का स्तर सामान्य से ज्यादा हो जाता है, तब यह खून की धमनियों में जमा होने लगता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से बचने के लिए मरीजों को दवा लेने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर वनीता ने बताया कि अधिकतर मरीजों का सवाल होता है कि कोलेस्ट्रॉल की दवा जिंदगी भर लेनी पड़ेगा या यह भी बंद हो सकती है। इसका सीधा जवाब है कि यह सब मरीज की कंडीशन पर डिपेंड करता है। जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल बहुत ज्यादा नहीं है और वे डाइट, एक्सरसाइज और वजन घटाकर इसे कंट्रोल कर लेते हैं, तो उनकी दवा को धीरे-धीरे बंद किया जा सकता है। हालांकि जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल अनकंट्रोल रहता है और पहले हार्ट अटैक, स्ट्रोक या आर्टरी ब्लॉकेज की समस्या हो चुकी है, तो डॉक्टर ऐसे मरीजों को अक्सर लंबे समय तक या जिंदगी भर दवा लेने की सलाह देते हैं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि किसी भी मरीज को डॉक्टर की सलाह के बिना अपनी मर्जी से यह दवा बंद नहीं करनी चाहिए।

हार्ट अटैक से बचाती है यह दवा?: कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया यह बात बिल्कुल सच है कि कोलेस्ट्रॉल की दवा हार्ट अटैक से बचाने में कारगर है। कई रिसर्च के अनुसार स्टैटिन लेने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा करीब 25% कम हो सकता है। हालांकि अगर कोई व्यक्ति दवा ले रहा है, लेकिन स्मोकिंग करता है, जंक फूड खाता है, एक्सरसाइज नहीं करता या डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर अनकंट्रोल है, तो कोलेस्ट्रॉल की दवा हार्ट अटैक से नहीं बचा सकती है। दवा के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, रेगुलर एक्सरसाइज और बैलेंस्ड डाइट लेना जरूरी है। हार्ट हेल्थ को सुधारने के लिए आपको सभी फैक्टर्स का ध्यान रखना होगा।

सुविचार

जिंदगी जो शेष बची है, उसे विशेष
बनाइए अन्यथा अवशेष तो होनी ही है।
-अज्ञात

निशाना

मिथ्या नौटंकीबाजों ने...!

डॉ. रामकुमार चतुर्वेदी

मैं शब्दों का सौदागर , भावों को तौल रहा हूँ।
मैं गीत गजल की राहों का राही बोल रहा हूँ।।
मिथ्या नौटंकीबाजों ने जो दंभ दिखाये है।
उन झूठे दंभीयों की मैं नब्ज टटोल रहा हूँ।।
वह बूढी आंखों में रहकर बेटा ढूंढ रहा था।
मै उन आंखो का पानी बन अमृत घोल रहा हूँ।।
जो गांव गली गलियारों में नंगे पांव चला करते।
उन दीन दुखी दुखियारों के पग से डोल रहा हूँ।
ये जीत गये वो हार गये हार गले का बनकर।
हरएक पल का मीत बना गीतों में झोल रहा हूँ।
मैं मां के आँचल में रहकर बेटा भी बन जाता।
काव्य समेटा करता उनके हिय से बोल रहा हूँ।
वह अकुलाई बेटी जब निर्झर नीर बहाती है।
उन आंखों का आंसू बनकर,पलकें खोल रहा हूँ।

AI अपडेट

भारत में हर हफ्ते ChatGPT के 10 करोड़ एक्टिव यूजर्स, अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार

OpenAI के CEO Sam Altman ने बताया है कि भारत में हर हफ्ते 100 मिलियन एक्टिव ChatGPT यूजर हैं। इसका मतलब है कि भारतीय चैटजीपीटी का काफी इस्तेमाल कर रहे हैं। 100 मिलियन यानी 10 करोड़ एक्टिव चैटजीपीटी यूजर्स के साथ भारत दुनिया भर में OpenAI के सबसे बड़े बाजारों में से एक बन गया है। भारतीय इंग्लिश डेली टाइम्स ऑफ इंडिया में छपे एक आर्टिकल के अनुसार, रविवार को सैम ऑल्टमैन ने भारत में ChatGPT के बढ़ते इस्तेमाल के बारे में बताया। बता दें कि OpenAI सोमवार से नई दिल्ली में शुरू होने वाले पांच दिन के इंडिया AI इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने वाला है। ऑल्टमैन दुनिया की कई बड़ी AI कंपनियों के सीनियर एग्जीक्यूटिव के साथ इस इवेंट में शामिल हो रहे हैं। OpenAI दूसरी बड़ी AI कंपनियों की तरह ग्लोबल एक्सपेंशन को बढ़ावा देने के लिए भारत की युवा आबादी और इसके एक अरब से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स पर फोकस कर रहा है। ओपनएआई ने कई महीनों के ग्राउंडवर्क के बाद अगस्त, 2025 में नई दिल्ली में एक ऑफिस खोला था। इतना ही नहीं, भारत के प्राइस-सेंसिटिव मार्केट के लिए अपने तरीकों को भी बदला।

फ्री किया प्लान: कंपनी ने भारत के लिए खास प्लान पेश किया है। इसमें 5 डॉलर यानी लगभग 450 रुपये में ChatGPT Go टियर रोल आउट करना शामिल है। इसे बाद में भारतीय यूजर्स के लिए एक साल के लिए फ्री कर दिया गया। भारतीयों पर फोकस करने की यह स्ट्रेटजी कंपनी के काम आई और आज चैटजीपीटी के भारत में वीकली 10 करोड़ एक्टिव यूजर्स हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑल्टमैन का कहना है कि यूनाइटेड स्टेट्स के बाद भारत ChatGPT का दूसरा सबसे बड़ा यूजर बेस है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब ChatGPT का कुल इस्तेमाल दुनिया भर में बढ़ गया है। अक्टूबर, 2025 तक प्लेटफॉर्म के वीकली एक्टिव यूजर 800 मिलियन तक पहुंच गए थे और बताया जा रहा है कि यह आंकड़ा 900 मिलियन के करीब पहुंच रहा है।

सबसे ज्यादा छात्र कर रहे इस्तेमाल: ऑल्टमैन ने यह भी कहा कि सबसे ज्यादा इस्तेमाल दुनिया भर में ChatGPT का स्टूडेंट यूजर भारत में कर रहे हैं। भारतीय स्टूडेंट्स बड़ी AI कंपनियों के लिए एक बड़ा ग्रोथ सेगमेंट बन गए हैं, क्योंकि कॉम्पिटिटर अपने टूल्स को क्लासरूम और लर्निंग वर्कफ्लो में शामिल कर रहे हैं।

Google ने भी इसी तरह मार्केट को टारगेट किया है और भारतीय छात्रों को सितंबर, 2025 में अपने AI Pro प्लान का एक साल का फ्री सब्सक्रिप्शन ऑफर किया था। इसके अलावा, Google के वाइस प्रेसिडेंट और एजुकेशन के जनरल मैनेजर क्रिस फिलिप्स ने पिछले महीने कहा था कि लर्निंग के लिए Gemini का सबसे ज्यादा ग्लोबल इस्तेमाल भारत में होता है। छात्रों के लिए एआई चैटबॉट काफी उपयोगी होते जा रहे हैं। पढ़ाई करने से लेकर इंटरव्यू की तैयारी करने तक, कई चीजों वे चैटबॉट की मदद लेते हैं।

अजब - गजब

भारत का ऐसा रेलवे स्टेशन, जहां प्लेटफॉर्म के बीच खड़ी होती हैं सैकड़ों कैब और टैक्सी

भारतीय रेलवे आज दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में गिना जाता है और अपनी नई सुविधाओं और विकास कार्यों के कारण लगातार सुर्खियों में रहता है। ट्रैक के विद्युतीकरण, ट्रेनों के आधुनिकीकरण, साफ-सफाई व्यवस्था और प्रीमियम वेटिंग एरिया जैसी सुविधाओं ने इसे वैश्विक स्तर पर अलग पहचान दिलाई है। भारत ही नहीं, विदेशों से आने वाले पर्यटक भी रेलवे की व्यवस्थाओं को देखकर हैरान रह जाते हैं।

वैसे तो देश में कई अनोखे रेलवे स्टेशन हैं, लेकिन एक स्टेशन ऐसा भी है जहां प्लेटफॉर्म के बीच से सड़क गुजरती है और वहां टैक्सी-कैब खड़ी दिखाई देती हैं।

देश के अनोखे स्टेशनों की बात करें तो कई उदाहरण मिलते हैं। जैसे दो राज्यों में फैला स्टेशन भवानी मंडी-नवापुर, पासपोर्ट की जरूरत वाला अटारी रेलवे स्टेशन, भूतिया माना जाने वाला बेगुनकोडोर रेलवे स्टेशन, छोटा नाम वाला इब रेलवे स्टेशन और छोटे प्लेटफॉर्म के लिए चर्चित बासपानी स्टेशन। लेकिन सबसे खास है हावड़ा जंक्शन, जो पश्चिम बंगाल में स्थित है। यहां प्लेटफॉर्म 8 और 9 के बीच से 'कैब रोड' नाम की सड़क गुजरती है, जिससे वाहन सीधे स्टेशन परिसर के भीतर पहुंच सकते हैं। इस व्यवस्था के कारण टैक्सी और कैब यात्रियों को लगभग उनके कोच के पास ही उतार सकती हैं।

यह सड़क स्टेशन के डिजाइन का स्थायी हिस्सा है, जहां वाहन फोरशोर रोड से प्रवेश करते हैं और निर्धारित एकतरफा मार्ग से होकर बकलैंड ब्रिज गेट की ओर निकलते हैं, जिससे ट्रैफिक व्यवस्थित बना रहता है। इस कैब रोड पर रोज करीब 900 से 1000 वाहन आते-जाते हैं। निजी कारों को सीमित समय के लिए प्रवेश शुल्क देना पड़ता है, जबकि ऐप-आधारित कैब ड्राइवर पिक-अप या ड्रॉप के लिए अलग व्यावसायिक शुल्क अदा करते हैं।

शौचालयों में घटिया निर्माण की हो रही शिकायतें, गुणवत्ता पर उठे सवाल

अजय आहूजा। मंडीदीप

नगर पालिका मंडीदीप द्वारा शहर में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स की निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि निर्माण एजेंसियां तय मापदंडों का पालन नहीं कर रही हैं, जिससे ये परियोजना घटिया सामग्री और अपर्याप्त निगरानी की भेंट चढ़ रही हैं। इस संबंध में रहवासियों ने नगर पालिका कार्यालय, आयुक्त नगरीय प्रशासन और जिला परियोजना अधिकारी को लिखित शिकायत की है, जिसमें निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

शहर के विभिन्न स्थानों पर बन रहे इन सुलभ कॉम्प्लेक्स में निर्माण सामग्री और कार्य प्रक्रिया में कई कमियां सामने आई हैं। सिविल इंजीनियर मनीष मालवीय ने बताया कि मंगल बाजार में अवंती बाई द्वार के पास और वार्ड 8 में खेल मैदान के निकट बन रहे शौचालयों में बीम और छत की तय मोटाई का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, निर्माण में उपयोग किए जा रहे लोहे के सरिए भी मानक के अनुरूप नहीं हैं। इसके अलावा, निर्माण स्थल पर नियमित रूप से तराई (क्यूरिंग) नहीं की जा रही है, जो भवन की मजबूती के लिए आवश्यक है। आपको बता दें कि नपा द्वारा शहर के वार्ड 8 के खेल मैदान के सामने, मंगल बाजार में अवंती बाई द्वार के पास, विश्राम घाट के पास सतलापुर रोड पर और सतलापुर में कुल चार स्थानों पर इन कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं की कुल लागत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

अजब गजब नपा अधिकारी मोबाइल पर ही कर रहे निगरानी

निर्माण गुणवत्ता को लेकर जब दोपहर मेट्रो ने नगर पालिका के उपयंत्री सतीश उजालिया से बात की, तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी मुझे प्रतिदिन फोटो और वीडियो उन्हें मोबाइल पर भेजती है। निर्माण कार्यों में कहीं कोई कमी नहीं है, सभी जगह नियमों के अनुसार काम हो रहा है। यह स्थिति तब है जब ये निर्माणधीन कॉम्प्लेक्स नगर पालिका कार्यालय से महज कुछ दूरी पर स्थित हैं। निवासियों का कहना है कि अधिकारी साइट पर जाकर निरीक्षण करने की बजाय मोबाइल पर ही गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं, जो अपर्याप्त और गैर-जिम्मेदाराना है।

एमपीआरडीसी से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली

नगर पालिका द्वारा हाइवे किनारे बनाये जा रहे सुलभ कॉम्प्लेक्स की निर्माण से पहले मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) से आवश्यक अनुमति नहीं ली है। आपको बता दें कि एमपीआरडीसी द्वारा भोपाल से ओबेदुल्लागंज तक हाईवे को सिक्स लेन में विस्तारित करने का प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा स्वीकृत हो चुका है और जल्द ही यह धरातल पर उतरने वाला है। इस विस्तार की जद में वार्ड 13 के विश्राम घाट और वार्ड 12 के पुलिस थाने के पास बन रहे सुलभ कॉम्प्लेक्स आ सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो ये कॉम्प्लेक्स ध्वस्त हो सकते हैं, जिससे करोड़ों रुपये की सरकारी राशि बर्बाद हो जाएगी। रहवायिों का कहना है कि नपा द्वारा निर्माणधीन सुलभ शौचालययों में गुणवत्ता नियमों की अनदेखी की जा रही है, इस सम्बन्ध में नगरीय प्रशासन सहित अन्य विभागों से निर्माण कार्यों की जांच की मांग की गई है अधिकारीयों ने जल्द जांच की बात कही है। सीएमओ प्रशांत जैन ने बताया कि शिकायती आवेदन पर जांच कराई जाएगी, कहीं कमी होगी तो निर्माण एजेंसी को नोटिस देकर जबाव मांगेते हुवे जल्द गुड़वता की जांच कराई जाएगी।

न्यूज विंडो

निशुल्क नेत्र शिविर में 91 मरीजों की जांच कर दिया परामर्श

गंजबासौदा। नेत्र शिविर नागरिक समिति एवं सिंधी समाज के संयुक्त तत्वाधान में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ द्वारा स्वर्गीय दादी मां मुललेबाई, स्वर्गीय पिता हजारीलाल तथा मां रामकली बाई ताम्रकार की पुण्य स्मृति में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उनके पुत्र सुरेश चंद ताम्रकार एवं ताम्रकार परिवार, बासौदा के सहयोग से हितकारिणी धर्मशाला में संपन्न हुआ। शिविर में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हरि प्रसाद ने सेवाएं प्रदान कीं। विदिशा सेंटर प्रतिनिधि रविंद्र रघुवंशी, रिसेप्शनिस्ट नीतू श्रीवास्तव एवं भोपाल से आए हितेश मिचलानी ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। शिविर के दौरान कुल 91 मरीजों की ओपीडी की गई। जांच उपरांत 43 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए बस द्वारा सेवा सदन, बैरागढ़ भेजा गया। वहीं 35 मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं तथा 13 मरीजों को चश्मा बनवाने हेतु परामर्श दिया गया। इस अवसर पर नेत्र शिविर नागरिक समिति के अध्यक्ष कांति भाई शाह, सह सचिव विनीत अरोरा, प्रकाश माहेश्वरी, हेमंत राय, दयाशंकर जायसवाल, ब्लड प्रेशर जांच सहयोगी महेंद्र सिंह सूर्यवंशी, राधेश्याम साहू, सतपाल तनवानी, प्रवक्ता राजकुमार मलकानी, प्रकाश वाधवानी, रामगोपाल गुप्ता, सुरेश ताम्रकार, विजय भावसार, नेतराम मिश्रा, प्रदीप नेमा, जितेंद्र डागी, चन्द्रशेखर ताम्रकार, रविंद्र जैन, लाल बहादुर ताम्रकार, देवी प्रसाद भावसार, देवलाल कुशवाह, हितकारिणी धर्मशाला प्रबंधक रामबाबू दुबे, खेमचंद मेहता, संजू मोटवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन राजकुमार मलकानी द्वारा किया गया।

जनगणना-2027: जिला स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम। कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जनगणना-2027 के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी) और जिला सूचना अधिकारी को घर-घर डेटा संग्रहण की कार्यप्रणाली सिखाई गई।अधिकारियों को मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल जनगणना की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रगणक घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल पर एप से डेटा एकत्र करेंगे, जबकि स्वगणना (एस ई) पोर्टल पर नागरिक स्वयं जानकारी अपडेट कर सकेंगे। प्रगणक बाद में इसे सत्यापित कर सबमिट करेंगे। प्रगणक व पर्यवेक्षक के दायित्वजनगणना संभाग प्रभारी अनामिका जैन और जिला प्रभारी आयुषी ने प्रगणक व पर्यवेक्षकों के कार्यप्रवाह पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रगणकों के कर्तव्य में प्रशिक्षण, मकान सूचीकरण, एच एल ओ लेआउट मैप तैयार करना,एचएलओ एप से डेटा संग्रहण और पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना शामिल है। पर्यवेक्षक सुपरवाइजर ऐप व फील्ड निरीक्षण से डेटा की निगरानी करेंगे तथा प्रगणकों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

नागदा में दो बाइकों के बीच आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत, 3 युवकों की मौत

उज्जैन। प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। हालात ये हैं कि, एमपी में रोजाना सैकड़ों लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इनमें से दर्जनों जान भी गवा रहे हैं। ऐसे ही एक दर्दनाक सड़क हादसे की ताजा बानगी उज्जैन जिले के नागदा से सामने आई, जहां नागदा-महिदपुर मार्ग पर स्थित रूपेटा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे के चलते तीन परिवारों में मातम छा गया है। बता दें कि यहां दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में 3 युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मामले की जांच में जुटी पुलिस का कहना है कि, एक बाइक पर इंदौर जिले के देपालपुर में रहने वाले आबिद और अनवर आ रहे थे। जबकि, दूसरी बाइक पर डाक विभाग के कर्मचारी राहुल गुर्जर सवार थे। दोनों तरफ से तेज रफ्तार में आ रही बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के चलते तीनों बाइक सवारों को स्थानीय लोगों ने अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों ने 112 इमरजेंसी सेवा पर सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत ही नागदा के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें कि, ये हादसा नागदा मंडी थाना इलाके में हुआ है। शुरुआती जांच में ओवर स्पीडिंग और संभवतः लेन क्रॉसिंग को मुख्य कारण माना जा रहा है।

ढाल बाजार स्थित श्रद्धा मेडीकल स्टोर पर पहुंची पुलिस टीम ने की कार्रवाई

कांग्रेस नेता के स्टोर पर मिलीं बड़ी मात्रा में नशे की दवाईयां, सात कार्टून जब्त कर दुकान की सील

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता राजीव जैन के मेडिकल स्टोर से गत दिवस बड़ी मात्रा में नशे की दवाईयां जब्त की गई। ड्रग इंस्पेक्टर ने 7 कार्टून में इन दवाईयों को जब्त कर मेडीकल स्टोर सील कर दिया है। गत दिवस दोपहर साढ़े तीन बजे ड्रग इंस्पेटर जॉन प्रवीण कुजूर पुलिस की टीम के साथ ढाल बाजार स्थित श्रद्धा मेडीकल स्टोर पर पहुंचे। वे जैसे दुकान में घुसे तो मौजूद युवक ने उन्हें दूसरे कमरे में जाने से रोक दिया। टीआई विमलेश राय ने युवक को एक तरफ रहने का इशारा कर ड्रग इंस्पेक्टर को भीतर भेजा। यहीं से ड्रग इंस्पेक्टर को बड़ी मात्रा में नशा करने में उपयोग की जाने वाली दवाईयां मिली। इनमें एविल इंजेक्शन, स्पेमो प्रोक्सीवोन, केप्सूल अल्पराजॉलम,और कोडिन सायरप प्रमुख हैं। ड्रग इंस्पेटर ने दुकान में मौजूद राजीव जैन से दवाईयों की खरीदी और बिक्री संबंधी जानकारी ली तो वे कोई जानकारी नहीं दे सके। 3 घंटे चली कार्रवाई के बाद ड्रग इंस्पेटर ने जब्त दवाईयों को 7 कार्टून में पैक कर दुकान को सील कर दिया।

लगातार किरकिरी के बाद उठाया कदम

शहर में काफी दिनों से नशे के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बावजूद इसके शहर में नशे की दवाईयों पर रोक नहीं लग पा रही है। कई दिनों से लोग पयोग की गई नशे की दवाईयों के खाली रैपर लोग सोशल मीडिया पर डालकर प्रशासन की खानापूर्ति को उजागर कर रहे हैं। लगातार हो रही किरकिरी के बाद प्रशासन ने नशे की दवाईयों के बड़े सौदागार पर शिकंजा कसा। ये दवाईयां बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं दे सकते।

लायसेंस होलसेल का, दवाईयां रीटेल में बेच रहे

ड्रग इंस्पेक्टर जॉन प्रवीण कुजूर ने बताया कि काफी दिनों से ढाल बाजार पर नशीली दवाईयां विक्रय होने की जानकारी आ रही थी। श्रद्धा मेडीकल स्टोर पर जो नशे की दवाईयां मिली हैं। उससे ये शिकायतें सही साबित हुई। इनके पास होलसेल का लायसेंस है लेकिन ये रीटेल में दवाईयां बेचते हैं। ये दवाईयां बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं दे सकते। एक सप्ताह में हमने इनसे समुचित जानकारी और दस्तावेज उपलब्ध करवाने का कहा है। इसके बाद हम लायसेंस निरस्त करने और कानूनी कार्रवाई करेंगे।

झंडवा में आयोजित वार्षिक विमानोत्सव में शामिल हुए विधायक उमाकांत शर्मा, मुनिश्री को भेंट किया श्रीफल

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

ग्राम झंडवा में आयोजित श्री 1008 ऋषभवदेव भूतनाथ वार्षिक विमानोत्सव महामस्तभिषेक कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने सम्मिलत होकर मुनिश्री 108 दुलर्भ सागर जी महाराज से क्षेत्र की उन्नति व प्रगति के लिये आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि समाज की चैतन्यता और मुनियो के मार्गदर्शन में यहां इतना भव्य मंदिर बना है आज संसार में भय और आतंक का वातावरण है आज के युग में हिसंक विचार धारा कहीं कहीं स्थान ग्रहण कर रही है और समाज को गलत दिशा में ले जा रही है उस समय भगवान महावीर स्वामी की जो दयावाणी है जियो और जीने दो बड़ी प्रेरणा दायी है अगर यह संसार का एक एक व्यक्ति सोच ले और इस वाणी के अनुकुल अपना जीवन यापन करें तो संसार में कोई भी हिंसक कार्य नही होगा जैन मुनियो के लगातार प्रवचन और भ्रमण से जैन समाज में जो संस्कार आया है वह अद्भुत अद्वितीय और प्रेरणा दायी है मै हमेशा कहता हूँ समाज व धर्म के लिये जीवन पद्वति अच्छी हो, जैन समाज आज सामाजिक, धार्मिक विषय सहित सभी विषयो मे उत्कृष्टता की और बड़ रही है। विधायक निधि से 10 लाख रूपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने विकास कार्यों के लिए अपनी निधि से 10 लाख रूपये देने की घोषणा की इस दौरान मुनी श्री ने कहा कि यहां के विधायक बड़े ही लोभी है आज उन्होने जो राशि दी है। वह उन्हें आने वाले समय में अनंत गुना होकर मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष दरयाव सिंह, नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दांगी पूर्व नपा अध्यक्ष संतोष चौरे, मार्केटिंग सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष डॉ संजीव माथुर, पार्षद जयनारायण सेन, राजेश जैन के साथ ही अलग अलग क्षेत्र से पधारे सामाजिक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि, ग्रामीण बंधु के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमूदाय उपस्थित था।

हस्तलिखित अखबार वितरित करने वाले मूलचंद बड़सरे का निधन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर में सालों तक हस्तलिखित अखबार सौरंग सपूत का वितरण करने वाले मूलचंद बड़सरे का निधन हो गया। गत दिवस तहसील रोड पर स्थित मुक्तिधाम में उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। वर्षीय मूलचंद बड़सरे ने लकड़ी की कारीगरी का काम करते हुए तंगहाली में अपनी पढ़ाई पूरी की थी। युवा अवस्था में पत्रकारिता में रूचि के चलते सालों तक सौरंग सपूत नाम से हस्तलिखित हिन्दी अखबार चलाया। विहिप नेता राकेश सक्सेना ने बताया कि उनकी हेडराइटिंग इतनी अच्छी थी कि हस्तलिखित चार पेज का अखबार भी छपा हुआ लगता था। अखबार की फोटो कॉपी को वे खुद साइकल चलाकर शहर भर में वितरित करते थे। लंबे समय तक लोगों ने उनका हस्तलिखित अखबार पड़ा। 28 साल पहले वे पटवारी बन गए और राजस्व विभाग का काम देखने लगे। इसके बाद अखबार बंद कर दिया। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी भी शामिल हुए। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

मेट्रो एंकर

भोजपुर महोत्सव के दूसरे दिन लोक और शास्त्रीय रंगों की बिखरी छटा

शीला के सुरों से गूंजा शिव मंदिर परिसर; कथक और लोकगायन ने बांधा समां

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि के अवसर पर ऐतिहासिक भोजेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय महादेव भोजपुर महोत्सव के दूसरे दिन लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कला प्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भोपाल की सुश्री शीला त्रिपाठी द्वारा बघेली लोकगायन से हुई। उन्होंने भगवान शिव की महिमा से जुड़े पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर वातावरण भक्तिमय बना दिया। इसके बाद सुश्री आकृति जैन एवं साथियों ने कथक शैली में शिव केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। अर्धनारीश्वर, शिव-सती प्रसंग और शिव तांडव की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। समारोह की अंतिम प्रस्तुति मुंबई की प्रसिद्ध गायिका महालक्ष्मी अय्यर की रही। उन्होंने शिव स्तुति और अपने लोकप्रिय गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में उप संचालक संस्कृति डॉ. पूजा शुक्ला एवं महंत पवन गिरी महाराज ने कलाकारों का स्वागत किया।

टाइगर रिजर्व के मोहली रेंज में मिला शव, 18 जनवरी को कान्हा से लाया गया था बाघ, दो दिन से एक ही स्थान पर मिल रही थी लोकेशन

टाइगर रिजर्व आए बाघ की मौत, पोस्ट मार्टम के बाद किया अंतिम संस्कार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में एक महीने पहले लाए गए करीब 35 माह उम्र के बाघ की मौत हो गई। गत दिवस को मानेगांव बीट में बाघ के शव की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण विस्तृत सर्चिंग नहीं हो सकी, जिसके बाद दूसरे सुबह डॉग स्क्वॉड के साथ जांच तेज की गई। डॉक्टरों की पैनल पोस्टमार्टम कर रही है, जिससे मौत का कारण स्पष्ट होगा। शुरुआती तौर पर टेरिटरी को लेकर फाइट की आशंका जताई जा रही है। टाइगर रिजर्व की मुहली रेंज मानेगांव बीट के कोर एरिया में बाघ की निगरानी की जा रही थी। टीम जब मौके पर पहुंची तो बाघ जमीन पर पड़ा मिला। पास जाकर देखने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई।

संदेह पर सर्चिंग पर पहुंची टीम

कॉलर आईडी से मूवमेंट ट्रैक किया जा रहा था। पिछले तीन दिनों से बाघ की लोकेशन एक ही स्थान पर मिल रही थी। इससे संदेह गहराया और टीम सर्चिंग के लिए पहुंची, जहां शव बरामद हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने के बाद आसपास के इलाके में डॉग स्क्वॉड से सर्च कराया गया। घटनास्थल पर दूसरे वन्यजीव के पगमार्क मिलने की बात भी सामने आई है। वहीं जांच के दौरान बिजली के तारों और आसपास के जलस्रोतों को भी परखा गया। कहीं करंट या पानी में गड़बड़ी जैसे संकेत नहीं मिले। इससे विभाग का शक टेरिटरी फाइट की ओर ज्यादा बढ़ा है। डीएफओ रजनीश कुमार के अनुसार शव का पोस्टमार्टम विशेषज्ञ डॉक्टरों की से कराया गया है। जो पन्ना टाइगर रिजर्व, भोपाल और जबलपुर से पहुंची है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

टेरिटोरियल फाइट की आशंका

वन विभाग के मुताबिक जांच में संघर्ष टेरिटोरियल फाइट की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल के पास दूसरे बाघ के पगमर्माग मिले हैं। टाइगर रिजर्व में इस साल चीता पुनर्वास योजना प्रस्तावित है। ऐसे में यह घटना वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

लापरवाही के लगे आरोप

इस घटना के बाद वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने इस मामले में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि सैटेलाइट डेटा में बाघ की लोकेशन दो दिनों तक स्थिर दिखाई दी, जो राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण एनटीसीए के प्रोटोकॉल के तहत चेतावनी संकेत हैं। उन्होंने स्वतंत्र जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है।

न्यूज विंडो

विद्यालय में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा पूजित कमल के द्वारा ज्ञानदीप विद्या बिहार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। न्यायाधीश द्वारा विद्यालय में सहभागी छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत साइंस एग्जीबिशन का अवलोकन किया एवं उनके द्वारा किए गए विभिन्न प्रयोगों की सराहना की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्य एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अथवा अन्य निर्योग्यता के कारण न्याय पाने से वंचित न होने पाए। तत्पश्चात उपस्थित बालक बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012, अपराध पीडित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता योजना आदि की जानकारी दी गई। साथ ही समस्या होने पर परामर्श हेतु विधिक सेवा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क करने का परामर्श दिया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक अनिल चैधरी प्राचार्य के अलावा शिक्षक शिक्षिकाएं तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस की वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई, 30 गिरफ्तार

धार। स्थाई फरार वारंटियों की धरपकड को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस टीम की सख्त कार्रवाई जारी है। पिछले 72 घंटे में पुलिस ने 30 वारंटियों को गिरफ्तार किया। वारंटी तामिली को लेकर पुलिस ने चार अलग-अलग टीमें बनाई थी। योजना बनाकरवारंटियों की घेराबंदी की व अरेस्ट करते हुए थाने लेकर पहुंची। जिसके बाद कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। दरअसल प्रतिमाह होने वाली मासिक समीक्षा बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने व प्रकरणों में फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड को लेकर दिशा निर्देश जारी किए थे। इसी कड़ी में नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली दीपकसिंह चौहान के द्वारा स्थायी वांरटियों की धरपकड हेतु अलग अलग टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने गोला उर्फ रवि पिता राजू निवासी ब्रम्हाकुण्डी, विष्णु पिता सीताराम प्रजापत निवासी दशहरा मैदान, अजय पिता हरी भूरिया निवासी मांडव रोड, इमरान पिता रफीक निवासी पुरानी नगर पालिका धार, प्रेम पिता भंवर गावड निवासी हिम्मतगढ, कमल पिता अंतरसिंह निवासी देदला, बलराम पिता अंतरसिंह देदला, सिद्धार्थ उर्फ छोटिया पिता रमेश चौहान निवासी अर्जुन कालोनी, राहुल पिता कैलाश निवासी अर्जुन कालोनी, भोला पिता श्यामलाल निवासी धारेश्वर मार्ग धार को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने खरीदार बनकर रचा जाल और दबोचा

मंदिरों में सिलसिलेवार चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

सब्जी विक्रेता बनकर करता था रेकी, दानपेटियों के ताले तोड़कर करता था वारदात

सागर। दोपहर मेट्रो

गोपालगंज थाना क्षेत्र के मंदिरों में लगातार हो रही दानपेटी चोरी की घटनाओं का गोपालगंज पुलिस ने खुलासा कर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विगत कई वर्षों से योजनाबद्ध तरीके से मंदिरों को निशाना बना रहा था।

बीएमसी परिसर स्थित मृत्युंजय महादेव मंदिर में 22 जनवरी की रात्रि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मंदिर में प्रवेश कर दानपेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी दान राशि चोरी कर ली गई थी। डॉ. उमेश पटेल की रिपोर्ट पर थाना गोपालगंज में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर तकनीकी एवं मैदानी जांच प्रारंभ की गई। गिरफ्तार आरोपी समीर अली पिता शाहिद अली 43 वर्ष, निवासी बाघराज प्रधानमंत्री आवास, थाना मोतीनगर जिला सागर का है।

आरोपी पेशे से ठेले पर सब्जी बेचने का कार्य करता है। दिनभर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूमते हुए वह सुनसान, कम निगरानी वाले मंदिरों को चिन्हित करता था। हर दो-तीन दिन में जब सब्जी समाप्त हो जाती थी तो आरोपी तड़के लगभग 3 बजे स्कूटी से सब्जी मंडी जाने के लिए निकलता था। वारदात के समय वह अपना चेहरा मास्क एवं गमछे से पूरी तरह ढंक लेता था।

मंडी जाने से पहले चिन्हित मंदिर में प्रवेश कर लोहे की रॉड से दानपेटी का ताला तोड़ता और नगदी व अन्य सामान चोरी कर लेता था। चोरी के तुरंत बाद सीधे सब्जी मंडी जाकर सब्जी खरीदता और दिन भर सामान्य रूप से ठेले पर सब्जी बेचता था, जिससे किसी को उस पर संदेह न हो। पूछताछ में आरोपी ने वर्ष 2020 से इस प्रकार कई मंदिरों में चोरी करना स्वीकार किया है। गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने आरोपी को पकड़ने विशेष टीम गठित की गई, जिसमें आरक्षक दशरथ मालवीय एवं आरक्षक नेकराम कौशल और आरक्षक अंकित तिवारी को शामिल किया गया। घटनास्थल एवं कंट्रोल रूम के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। संदिग्ध के मूवमेंट का रूट चार्ट तैयार किया गया। जांच में सामने आया कि

वारदात के बाद आरोपी सब्जी मंडी की ओर जाता है। रणनीतिक योजना के तहत पुलिस टीम ने सब्जी मंडी में खरीदार बनकर कई दिनों तक सुबह 3 बजे से 6 बजे तक निगरानी की। सतत निगरानी के दौरान सीसीटीवी फुटेज से मेल खाते हुलिए का व्यक्ति चिन्हित किया गया। गोपनीय रूप से पीछा कर उसके निवास स्थान की पुष्टि की गई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी के कब्जे से दानपेटी का ताला तोड़ने में प्रयुक्त लोहे की रॉड,वारदात के समय उपयोग किया गया मास्क घटना में प्रयुक्त स्कूटी,आरोपी द्वारा स्वीकार अन्य प्रकरण जिसमें स्नेह नगर कालोनी के हनुमानगढ़ी मंदिर में चोरी, सिद्ध बाबा मंदिर, बालक कॉम्प्लेक्स में चोरी करना शामिल हैं।

राज्यपाल का अभिभाषण नए मध्यप्रदेश का विज़न दस्तावेजः भूपेन्द्रसिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आरंभ में प्रस्तुत राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने इसे समावेशी विकास, आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को समर्पित दूरदर्शी दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल पटेल के अभिभाषण में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि सरकार का केंद्र बिंदु केवल योजनाओं की घोषणा नहीं बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर है।

किसानों, युवाओं, महिलाओं और आधारभूत संरचना को समान प्राथमिकता देना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश सरकार विकास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई क्षमता विस्तार, आधुनिक कृषि तकनीक और बाजार उपलब्धता पर सरकार का फोकस प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगा। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में जो रोडमैप अभिभाषण में प्रस्तुत हुआ है, उससे मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। युवाओं के संदर्भ में सिंह ने कहा कि रोजगारोन्मुख शिक्षा, कौशल विकास और उद्योग निवेश को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ प्रदेश को नए अवसरों का केंद्र बनाएंगी। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि युवा नौकरी खोजने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बने यही नए मध्यप्रदेश की पहचान होगी। महिला सशक्तिकरण पर विशेष टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक स्वावलंबन, सुरक्षा और सामाजिक भागीदारी से जुड़ी योजनाएँ महिलाओं की भूमिका को परिवार से समाज और अर्थव्यवस्था के नेतृत्व तक विस्तारित करेंगी। उन्होंने इसे नए सामाजिक परिवर्तन की आधार शिला बताया।

शराब पार्टी में पैग गिरने की बात पर की थी हत्या नाबालिग सहित दो आरोपी को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की औद्योगिक नगरी पीथमपुर में हुई हत्या के मामले में पुलिस टीम को सफलता मिल गई हैं, पुलिस ने एक नाबालिग सहित कुल दो आरोपियों को गिरफतार कर मामले का खुलासा किया है। आरोपियों ने पार्टी के दौरान ग्लास से शराब का पैग ढुलने की मामुली बात पर हत्या कर दी थी। घटना वाले दिन मतक आरोपी पर नशे में गिरा, जिससे शराब फैल गई थी। महंगी शराब का नुकसान होने की बात पर आरोपियों ने हथियार से हमला कर मर्डर किया था। पुलिस ने हथियार भी बरामद कर लिया है।

दरअसल पीथमपुर के सेक्टर एक थाना क्षेत्र में 25-26 जनवरी की रात पावर हाउस चौराहा, बीएसएनएल कार्यालय के सामने सड़क पर एक शव देखा गया था। रहवासियों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मतक के सिर और शरीर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक की पहचान शंकर पिता लालू सोलंकी (42) के रूप में हुई, जो मूल रूप से धार जिले के जाजमखेड़ी का निवासी था और वर्तमान में पीथमपुर में रहता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर और पैर में गंभीर चोटों के कारण मौत की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक रवि सोनेर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ओपी अहिर के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। थाना प्रभारी अहिर के अनुसार पुलिस टीम ने घटनास्थल से प्राप्त भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। धनंजय उर्फ धनिया पिता सतीश शिरफुले (22) और एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया।

उमरिया में आधार और बैंक दस्तावेजों के सैकड़ों लिफाफे तालाब किनारे मिले, जांच में जुटी पुलिस

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय उमरिया के विकटगंज वार्ड 19 स्थित शिवताल कॉलोनी के पीछे तालाब किनारे आज उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने सैकड़ों की संख्या में आधार कार्ड एवं बैंक संबंधी दस्तावेजों के सील पैक लिफाफे पड़े देखे। सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तालाब के किनारे झाड़ियों के पास बड़ी मात्रा में लिफाफे बिखरे हुए थे। जब कुछ लिफाफों को खोलकर देखा गया तो उनमें आधार कार्ड और विभिन्न बैंकों से संबंधित दस्तावेज पाए गए। प्रथम

दृष्ट्या सभी लिफाफे सील पैक प्रतीत हो रहे हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि संबंधित दस्तावेज लाभार्थियों तक पहुंचाए ही नहीं गए और किसी के द्वारा इन्हें एक साथ यहां फेंक दिया गया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है, क्योंकि आधार कार्ड और बैंक दस्तावेज नागरिकों की पहचान और वित्तीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कागजात होते हैं। इस तरह खुले में फेंके जाने से दुरुपयोग और धोखाधड़ी की आशंका बढ़ सकती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लिफाफों को अपने कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ कर दी है।

‘ओल्ड मंक’ पर ओवरचार्जिंग का आरोप, 18 करोड़ के मुनाफे की चर्चा

कोतमा। दोपहर मेट्रो

वार्ड नंबर 4 स्थित गुरु कृपा ढाबा के सामने संचालित वीरेंद्र राय के शराब ठेके पर 180 एमएल की ओल्ड मंक को अधिक कीमत पर बेचने के आरोपों ने स्थानीय स्तर पर हड़कंप मचा दिया है। बोतल पर न्यूनतम विक्रय मूल्य 156 और अधिकतम मूल्य 180 अंकित है, जबकि ग्राहकों का दावा है कि इसे 200 में बेचा जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कथित ओवरचार्जिंग लंबे समय से जारी है। कई बार शिकायतों और समाचार प्रकाशन के बावजूद सख्त कार्रवाई न होने से आबकारी विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि हर बार मामूली जुर्माना लगाकर मामला निपटा दिया जाता है, जिससे ठेकेदारों के हौसले बुलंद हैं।

इस बीच सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि कथित ओवररेटिंग के जरिए ठेकेदार को लगभग 18 करोड़ तक का अतिरिक्त लाभ हुआ है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि यह आंकड़ा सही है तो मामला बेहद गंभीर हो सकता है। सवाल यह उठता है कि यदि एमआरपी से अधिक वसूली के जरिए इतनी बड़ी राशि अर्जित की गई, तो क्या यह आय वैध लेखांकन में दर्ज है। यदि नहीं, तो शासन को इसका क्या लाभ मिला और क्या यह राशि ‘ब्लैक मनी’ के रूप में प्रणाली से बाहर तो नहीं जा रही।

नागरिकों की मांग है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो, ठेका राशि (टेंडर अमाउंट), वास्तविक बिक्री और विभागीय कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक किया जाए। साथ ही एमआरपी से अधिक वसूली पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि उपभोक्ताओं का शोषण न हो। यह मामला अब केवल एक दुकान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता, राजस्व हानि और जवाबदेही का प्रश्न बन गया है। यदि आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि राजस्व प्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस पर क्या ठोस कदम उठाता है।

मेट्रो एंकर | नवग्रह शक्तिपीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के छठवें दिन आयोजित रामकथा का समापन

रामकथा ही संस्कारों की ढाल, धर्म से ही राष्ट्र का संरक्षणः डॉ. कुमार विश्वास

डबरा। दोपहर मेट्रो

डबरा नवग्रह शक्ति पीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के छठवें दिन आयोजित रामकथा के समापन अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं विचारक डॉ. कुमार विश्वास ने धर्म, सत्य, परिवार और राष्ट्र के महत्व पर अत्यंत सारगर्भित और ओजस्वी उद्बोधन दिया। अपनी चर्चित ‘अपने-अपने राम’ कथा के माध्यम से उन्होंने कहा कि परिवार और संस्कार ही समाज की रक्षा कर सकते हैं, और संस्कारों की जड़ रामकथा में निहित है।

डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि आज का मानव छोटी-छोटी निराशाओं में टूट जाता है, जबकि भगवान श्रीराम का जीवन संघर्षों के बीच भी संयम, धैर्य और धर्म पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राजपाट से वनवास, पत्नी वियोग और भ्राता लक्ष्मण की मूर्छा जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद श्रीराम का संयम यह सिखाता है कि धर्म से जुड़ा मन कभी टूटता नहीं। उन्होंने राम चरित्र की तुलना राष्ट्र चरित्र से करते हुए कहा कि यदि राष्ट्र का चरित्र नष्ट हो जाए तो उसका कोई विकल्प नहीं होता। रामकथा हमें यह सिखाती है कि परिवार, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। परिवार में प्रेम और संस्कार नहीं होंगे तो समाज कमजोर होगा और समाज कमजोर हुआ तो राष्ट्र अस्थिर हो जाएगा।

संस्कारों पर हो रहे आक्रमण से सावधान

डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि आज आधुनिक माध्यमों के जरिए परिवार और संस्कारों पर निरंतर प्रहार हो रहा है, जिससे आत्मिक दुर्बलता बढ़ रही है। उन्होंने रामकथा को संस्कारों का अमोघ कवच और इम्यूनिटी बूस्टर बताते हुए कहा कि यही कथा हमारी आत्मा, परिवार और संस्कृति की रक्षा कर सकती है। उन्होंने रामायण और महाभारत के उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि संबंधों से ऊपर सत्य और धर्म का स्थान है। विभीषण द्वारा सत्य का चयन और कर्ण द्वारा सत्य का त्याग–दोनों के परिणामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जो सत्य का साथ छोड़ता है, उसकी प्रगति का रथ एक दिन अवश्य रुक जाता है।

धर्म की शरण में ही सच्चा सुख, संकल्प से सिद्ध होते हैं लक्ष्य : साध्वी ऋतुंभरा

नवग्रह शक्तिपीठ प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के छठवें दिन आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध संत प्रवक्ता साध्वी ऋतुंभरा ने कहा कि नवग्रह शक्तिपीठ एक पावन तीर्थ है और यहां आकर वे स्वयं को धन्य अनुभव कर रहीं हैं। उन्होंने इस दिव्य धाम की स्थापना को अद्भुत कार्य बताते हुए इसके सूत्रधार डॉ. नरोत्तम मिश्रा की सराहना की। साध्वी ऋतुंभरा ने अपने प्रवचन में कहा कि सुख बटोरने से नहीं, बल्कि बांटने से बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सभी भौतिक सुविधाएं उपलब्ध होने के बाद भी यदि मन में शांति नहीं है, तो वह सब व्यर्थ है। आज मानव का मन इसलिए अशांत है क्योंकि वह धीरे-धीरे धर्म से दूर होता जा रहा है। धर्म की शरण में आकर ही वास्तविक सुख और शांति की प्राप्ति संभव है। उन्होंने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि जैसे जड़ से अलग होकर कोई पेड़ हरा-भरा नहीं रह सकता, उसी प्रकार धर्म से कटकर मानव जीवन भी अशांत और दिशाहीन हो जाता है।

टी-20 वर्ल्ड कप: जिम्बाब्वे आज जीती तो भारत को होगा बड़ा फायदा?

हट जाएगा विश्व कप में दो मैच हार चुकी ऑस्ट्रेलिया नाम का कांटा

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे के बाद श्रीलंका से हारकर ऑस्ट्रेलिया ने अपनी मुश्किलें बढ़ा ली है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया की तीन मैच में ये दूसरी हार है। इस हार के साथ ही अब कंगारू टीम पर टी20 विश्व कप से बाहर होने का भी खतरा मंडराने लगा है। क्योंकि अब ऑस्ट्रेलिया के सुपर-8 का पूरा समीकरण जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच होने वाले मुकाबले पर आ टिका है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड की टक्कर 17 फरवरी को पल्लेकेले में होगी। इस मैच में अगर जिम्बाब्वे की टीम आयरलैंड को हरा देती है तो फिर ऑस्ट्रेलिया का खेल का खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही टीम इंडिया के लिए टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया नाम का कांटा भी हट जाएगा। ऐसे में आइए समझते हैं क्या है भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर-8 का समीकरण।

क्या है भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर-8 समीकरण

टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम ने ग्रुप ए में अपने पहले तीन मैच जीतकर सुपर-8 में क्वालीफाई कर लिया है। वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की टीम 2 हार के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है, जबकि जिम्बाब्वे की टीम दूसरे स्थान पर। अब यहां से समीकरण ये बन रहा है कि अगर जिम्बाब्वे की टीम अपने अगले मैच में आयरलैंड को हराती है तो फिर श्रीलंका के साथ अपने ग्रुप से वह सुपर-8 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन सकती है। वहीं ऑस्ट्रेलिया का मामला बहुत जटिल हो गया है। क्योंकि सिर्फ आयरलैंड की जीत ही नहीं, श्रीलंका-जिम्बाब्वे मैच पर भी उसकी नजर होगी। ऐसी स्थिति अगर जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंचती है तो फिर उसकी टक्कर 26 फरवरी को भारत के साथ चेन्नई में होगा। वहीं अगर जिम्बाब्वे की टीम आयरलैंड से हारती है तो फिर ऑस्ट्रेलिया को सुपर-8 में पहुंचने के लिए अपने आखिरी लीग मैच में ओमान पर हर हाल में एक बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। क्योंकि, आखिरी में मामला रन पर अटेका। रनरेट में अगर ऑस्ट्रेलिया बेहतर रहती है तो फिर वह सुपर-8 में पहुंच सकती है। ऐसे में सुपर-8 में उसका सामना फिर भारत से होगा। यही वजह है कि अगर आयरलैंड के खिलाफ जिम्बाब्वे की टीम जीत हासिल करती है, तो फिर भारत के सामने सुपर-8 में एक आसान चुनौती होगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी इवेंट में रिकॉर्ड

आईसीसी इवेंट में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हमेशा ही कड़ी हुई है। खास तौर से नॉकआउट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया हमेशा टीम इंडिया के लिए मुसीबत बनी है। साल 2003 और 2023 वनडे विश्व कप का फाइनल भला कौन भूल सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट, जिसमें वनडे, टी20 विश्व, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप और चैंपियंस ट्रॉफी को मिलाकर कुल 24 बार एक दूसरे से टकराई है। इसमें 13 बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, जबकि 11 मौकों पर भारत ने बाजी मारी है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया का नॉकआउट में रिकॉर्ड बेहतर हैं। हालांकि, टी20 विश्व कप में टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है।

पाकिस्तान की हार से बौखलाए शोएब अख्तर

जिसे काम नहीं आता, उसे कुर्सी क्यों, मोहसिन नकवी को सुनाई खरी-खरी, बता दिया अयोग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान की हार के बाद पड़ोसी मुल्क में विवाद बढ़ता ही जा रहा है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर निशाना साधा है और उनके नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। पाकिस्तान को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप के मुकाबले में भारत के खिलाफ 61 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की बल्लेबाजी इस दौरान बेहद खराब रही और टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी।

पाकिस्तान की हार के बाद अख्तर के निशाने पर नकवी रहे। अख्तर ने एक समाचार चैनल से बात करते हुए कहा, अब एक आदमी को तो यह भी नहीं पता कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन है। अब टीम कैसे चलेगी? आप कह रहे हैं कि एक आदमी (बाबर आजम) को आपने सुपरस्टार बना दिया, लेकिन वह एक भी मैच नहीं जीता सकता। आपने उसे ऐसा स्टार बना दिया जो एक भी मैच नहीं जीत सकता। भाई, जब आप इस तरह के स्टार बनाते हैं, जब आप उन्हें चुनते हैं, जब आप उन्हें छांटते हैं, तभी आपको यह समस्या आएगी। लेकिन बात यह है कि अगर आप देखें तो आपको पता है दुनिया का सबसे बड़ा अपराध क्या है? दुनिया का सबसे बड़ा अपराध यह है कि आप किसी अयोग्य व्यक्ति को कोई बड़ा काम सौंप दें। अख्तर ने कहा, जब आप किसी अयोग्य और अज्ञानी व्यक्ति को कोई बड़ा काम सौंपते हैं, तो वह देश को बर्बाद कर देगा। वह किसी भी संगठन को ध्वस्त कर देगा। उदाहरण आपके सामने है, आप इतने बुद्धिमान हैं कि इसे समझ सकें।

शाहिद आफरीदी भी कर चुके हैं आलोचना

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान क्रिकेट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं. पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी भी पहले सलाह दे चुके हैं कि बोर्ड प्रमुख को एक साथ कई जिम्मेदारियां लेने से बचना चाहिए. पिछले एक साल में एशिया कप से लेकर वर्ल्ड कप तक पाकिस्तान क्रिकेट प्रशासन लगातार विवादों में रहा. कभी टूर्नामेंट बायकॉट की चेतावनी, तो कभी कूटनीतिक बयान, इन सबके बीच टीम संयोजन और प्रदर्शन पीछे छूटता नजर आया. आलोचकों का मानना है कि जब दूसरी टीमें स्क्वॉड तैयार कर रही थीं, तब पाकिस्तान क्रिकेट प्रबंधन बयानबाजी में उलझा रहा.

बाबर को टीम से बाहर करने की मांग उठी

स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है। पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन वे फिर से नाकाम रहे।

पाक सेना प्रमुख को लगा सदमा,

भारत से हार के बाद नकवी की शिकायत लेकर पीएम शहबाज के पास पहुंचे मुनीर

टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में करारी शिकस्त दी। इस हार के बाद पाकिस्तान में सियासी और सैन्य हलकों में हलचल तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर इस हार से बेहद नाराज बताए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने इस मामले में सीधे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से शिकायत की है। उनका मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम की सही तैयारी नहीं कर पाया और प्रबंधन में गंभीर कमी रही। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि आर्मी चीफ पहले से ही पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से खुश नहीं थे। भारत से मिली हार ने उनकी नाराजगी को और बढ़ा दिया है। उनका कहना है कि टीम की तैयारी कमजोर थी और बोर्ड की तरफ से अनावश्यक बयानबाजी की गई। दरअसल, विवाद की शुरुआत उस समय हुई थी जब टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार को लेकर बयानबाजी हो रही थी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जो मूल रूप से पाकिस्तान सुपर लीग से जुड़ी थी, मोहसिन नकवी से भारत और आईसीसी की संभावित कार्रवाई पर सवाल पूछा गया। जवाब में नकवी ने आर्मी चीफ का नाम लेते हुए कहा था कि न तो वे भारत या आईसीसी की धमकियों से डरते हैं और न ही सरकार, और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर डरते हैं।

एयरपोर्ट पर भूखे रहे खिलाड़ी, कैंसिल हुए होटल..

पीएचएफ के घोटाले ने पाक हॉकी को किया शर्मसार

कराची। पाकिस्तानी हॉकी टीम को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में पाकिस्तान की हॉकी को लेकर ये खबर आई थी कि ऑस्ट्रेलिया में उनके होटल की बुकिंग इसलिए रद्द कर गई, क्योंकि बिल का भुगतान नहीं किया है। इस पूरे मामले में पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने ऑस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपये से अधिक के भुगतान के सबूत पेश किया है। इसके बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है।

पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी।

एफआईएच प्रो लीग के लिये कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से ऑस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया। अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया। पीएसबी ने अब पीएचएफ को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिये किये गए एक करोड़ और पांच लाख रूपये के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

29 साल छोटी एक्ट्रेस संग रोमांस करने पर ट्रोल हुए शरद केलकरं

बोले- ट्रोलिंग से नहीं पड़ता फर्क

शरद केलकर एक वक्त टीवी शोज में छाए रहते थे। अपने करियर के ग्राफ को आगे बढ़ाते हुए वो फिल्मों और ओटीटी की तरफ गए। बाहुबली जैसी पैन इंडिया फिल्म में इसके लीड हीरो प्रभास की आवाज बने। करियर के पीक पर शरद ने 8 साल बाद टीवी पर कमबैक किया। सीरियल तुम से तुम तक से वापसी की। लेकिन शो को इसकी स्टोरीलाइन की वजह से काफी ट्रोल किया गया।

सीरियल में 20 साल की एक्ट्रेस निहारिका चौकसे (अनु) को 49 साल के शरद केलकर (आर्यवर्धन) के प्यार में दिखाया गया। दोनों के बीच रोमांटिक सीन भी फिल्माए गए। शो में दिखाया गया कैसे उनके रिश्ते को समाज की चुनौतियों और इमोशनल स्ट्रगल से गुजरना पड़ता है। शो को जैसे ही अनाउंस किया गया, इसकी खूब आलोचना हुई। लेकिन शरद पर लोगों के निगेटिव कमेंट्स का कोई असर नहीं पड़ा। हाल ही में वैरायटी इंडिया से बात करते हुए शरद ने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की है। वो कहते हैं- मुझे लगा कि मैं इस कहानी में फिट हूं। मैं अपनी उम्र के 40वें पड़ाव पर हूं, इसलिए मैं इससे रिलेट कर सकता हूं। मैं 40-45 साल के लोगों की मानसिकता को समझ सकता हूं। समाज में ऐसे भी कपल हैं जिनकी उम्र में बड़ा फासला है। फिर भी उनका रिश्ता सफल है। ये शो कोई बायोपिक नहीं है। इस तरह की लव स्टोरी बताने में लेखक का कॉन्सेप्ट और डायरेक्टर का तरीका मायने रखता है।

लोगों को पसंद आ रहा केलकर का शो

एक्टर से पूछा गया कि इंडियन टीवी पर ऐसी कहानियां आती रहती हैं। वो टीआरपी में भी रूल करते हैं। लेकिन यंग टीवी ऑडियंस ऐसी कहानियों से कनेक्ट नहीं कर पा रहे। इस पर रिएक्ट करते हुए शरद ने कहा- चैनल या शो मेकर्स दर्शकों की पसंद के हिसाब से शो बनाते हैं। इसके लिए काफी रिसर्च और एनालिसिस होता है। दर्शकों की पसंद समझने के बाद शो बनाने का प्रोसेस शुरू होता है। मुझे दुख होता है जब मैं देखता हूं कि टीवी राइटर्स को उनका हक नहीं मिल पाता। उन्हें लगातार मोटिवेट किया जाना चाहिए। ताकि वो क्रिएटिव में अपना बेस्ट दें। उनकी ओरिजिनल स्क्रिप्ट में हस्तक्षेप होना दुखद है। शरद केलकर का शो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। अक्टूबर 2025 में शो ने 100वां एपिसोड सेलिब्रेट हुआ था। अटकलें थीं कि शरद शो के हाईएस्ट पेड एक्टर हैं।

भारत में पहली बार धमाल मचाने आ रहे कान्ये वेस्ट, दिल्ली में होगा ऐतिहासिक कॉन्सर्ट

नई दिल्ली। भारत में लाइव म्यूजिक और इंटरनेशनल कॉन्सर्ट्स का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कड़ी में अब लोगों के बीच अमेरिकी रैपर और सॉन्गराइटर कान्ये वेस्ट के लाइव परफॉर्मेंस को लेकर जमकर उत्साह है। यह कॉन्सर्ट कान्ये के करियर का भारत में पहला शो होगा। कान्ये वेस्ट का यह कॉन्सर्ट 29 मार्च को राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के तौर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को चुना गया है। यह शो तकनीक, विजुअल्स और साउंड के स्तर पर भारत के सबसे भव्य कॉन्सर्ट्स में से एक होगा। कान्ये वेस्ट का म्यूजिक करियर हमेशा से एक्सपेरिमेंट और बदलावों से भरा रहा है। उन्होंने हिप-हॉप को पारंपरिक गैंगस्टर रैप से बाहर निकालकर एक नई पहचान दी। अटलांटा में जन्मे और शिकागो में पले-बढ़े कान्ये ने कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़कर म्यूजिक को करियर चुना। शुरुआती दौर में उन्होंने बतौर म्यूजिक प्रोड्यूसर काम किया और मशहूर रैपर जे-जेड के लेबल रॉक-ए-फेला रिकॉर्ड्स से जुड़े। यहीं से उनकी चिपमंक सोल प्रोडक्शन स्टाइल को पहचान मिली। रिकॉर्डिंग आर्टिस्ट के तौर पर कान्ये का डेब्यू एल्बम द कॉलेज ड्रॉपआउट बेहद सफल रहा और इसे आलोचकों से भी खूब सराहना मिली। इसके बाद उनका दूसरा एल्बम लेट रजिस्ट्रेशन आया, जिसने उन्हें और ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। उन्होंने करियर में स्लो जैम्ज, गोल्ड डिगर, स्ट्रॉन्गर और ई.टी. जैसे कई चार्टबस्टर गाने दिए। वह तीन अलग-अलग दशकों में बिलबोर्ड हॉट 100 चार्ट पर टॉप करने वाले पहले रैपर भी बने।

मेट्रो बाजार

भारत में थोक महंगाई दर जनवरी में 1.8 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। भारत में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर जनवरी में सालाना आधार पर 1.81 प्रतिशत रही है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि जनवरी में महंगाई बढ़ने की वजह बेसिक मेटल की कीमतों में इजाफा होना और मैन्युफैक्चरिंग एवं गैर-खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं और टेक्सटाइल की कीमतों में बढ़ोतरी होना है। खाद्य सूचकांक, जिसमें प्राथमिक वस्तुओं के समूह से खाद्य पदार्थ और विनिर्मित उत्पादों के समूह से खाद्य उत्पाद शामिल हैं, दिसंबर 2025 में 196.0 से घटकर जनवरी 2026 में 194.2 हो गया है। थोक महंगाई दर जनवरी में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़कर 1.41 प्रतिशत हो गई। डब्ल्यूपीआई में विनिर्माण समूह का भार 64.23 प्रतिशत है, और इस सूचकांक में महीने के दौरान 1.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 22 विनिर्मित उत्पादों में से 19 समूहों की कीमतों में वृद्धि देखी गई, जबकि तीन समूहों की कीमतों में कमी दर्ज की गई। जिन महत्वपूर्ण समूहों की कीमतों में महीने-दर-महीने वृद्धि हुई, उनमें बेसिक मेटल का निर्माण, खाद्य उत्पाद, वस्त्र, अन्य विनिर्माण और विद्युत उपकरण शामिल हैं। जिन वस्तुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, उनमें दवाइयों का निर्माण, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद, मशीनरी और उपकरण एवं फर्नीचर शामिल हैं, जिनकी कीमतें जनवरी 2026 में दिसंबर 2025 की तुलना में कम हुई हैं। भारत में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जनवरी 2026 में सालाना आधार पर 2.75 प्रतिशत रही थी। बेस ईयर में बदलाव के बाद खुदरा महंगाई दर के यह पहले आंकड़े हैं। सरकार की ओर से बेस ईयर को बदलकर 2024 कर दिया गया है, जो कि पहले 2012 था।

नाभा पवार का अधिग्रहण करेगी टोरेंट पावर 6,889 करोड़ में एलएंडटी की इकाई से डील तय

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने लार्सन एंड टुब्रो की इकाई से नाभा पावर के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी के बयान के अनुसार यह सौदा 6,889 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह सौदा जरूरी नियामकीय मंजूरियों और सामान्य क्लोजिंग शर्तों के अधीन रहेगा। नाभा पावर लिमिटेड एल एंड टी पावर डेवलपमेंट लिमिटेड (एल एंड टीपीडीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो स्वयं इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज रूञ्ञ की सब्सिडियरी है।

इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद टोरेंट पावर की परिचालन क्षमता 5 गीगावॉट से बढ़कर 6.4 गीगावॉट हो जाएगी। टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन समीर मेहता ने कहा कि एनपीएल कंपनी के पोर्टफोलियो में एक स्थापित ऑपरेटिंग एसेट जोड़ेगी, जो पूरी तरह अनुबंधित कैश फ्लो और मजबूत ऑपरेशनल ट्रैक रिकॉर्ड से समर्थित है। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण पहले दिन से ही राजस्व और मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करेगा। वहीं, एनएंडटी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर एस.एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा कि एनपीएल की बिक्री कंपनी की मुख्य व्यवसायों को मजबूत करने और वैल्यू अनलॉक करने की रणनीति के अनुरूप है, जिससे दीर्घकालिक हितधारकों के लिए मूल्य सृजन होगा। साल 2014 में चालू हुआ नाभा पावर का 1,400 मेगावॉट सुपरक्रिटिकल कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट पंजाब के पटियाला जिले के राजपुरा में स्थित है और यह 25 वर्षीय पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत संचालित होता है।

फेस्टा दी संत अगाता

इटली का प्रमुख धार्मिक उत्सव

रोम, एजेंसी

इटली के सिसिली स्थित कैटेनिया शहर में 'फेस्टा दी संत अगाता' का भव्य आयोजन हुआ। उत्सव के दौरान पूरे शहर में आतिशबाजियां की जाती है और करीब 10 लाख लोग इसमें शामिल होते है। यह इटली का सबसे बड़ा और प्रमुख वार्षिक धार्मिक उत्सव है, जो हर साल फरवरी माह में मनाया जाता है। यह महोत्सव तीसरी शताब्दी की ईसाई शहीद, संत अगाथा को समर्पित है, जो कैटेनिया की संरक्षिका हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े कैथोलिक उत्सवों में से एक है।

चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में बदलाव, देनी होगी फीस

देहरादून। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में बदलाव किया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों को अब फीस देनी होगी। फीस जल्द से जल्द तय करने के लिए गढ़वाल डिवीजन के एडिशनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है।

इस मामले की अधिक जानकारी देते हुए गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बताया कि चार धाम यात्रा के लिए फर्जी रजिस्ट्रेशन रोकने के लिए कम से कम 10 रुपये फीस ली जानी चाहिए। कमेटी की रिपोर्ट आने और सरकार से मंजूरी मिलने के बाद फाइनल फीस तय की जाएगी।उत्तराखंड, जिसे देवभूमि या देवताओं की भूमि भी कहा जाता है। यहां कई विश्व प्रसिद्ध मंदिर हैं। पूरे साल भक्तों का तांता लगा रहता है। उत्तराखंड में भक्त जिन अनगिनत धार्मिक जगहों पर जाते हैं, उनमें सबसे खास चार धाम यात्रा है।

न्यूज विंडो

कटिहार में 300 दुकानें जलकर खाक 7 करोड़ के नुकसान की आशंका

कटिहार। बिहार के कटिहार में रकुरसेला हाट में अचानक लगी भीषण आग से 300 से अधिक दुकानें जलकर स्वाहा हो गईं। इस हादसे में करीब 6 से 7 करोड़ रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। इतने बड़े नुकसान के बाद स्थानीय दुकानदारों पर गहरा आर्थिक संकट मंडराने लगा है। कई दुकानदार ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर या बंधन बैंक समेत अन्य संस्थानों से लोन लेकर अपनी छोटी-छोटी दुकानें शुरू की थीं।वे रोज की कमाई से परिवार का खर्च चलाने के साथ हर सप्ताह किस्त जमा करते थे। अब दुकानें जल जाने के बाद आय का एकमात्र साधन खत्म हो गया है।ऐसे में साप्ताहिक लोन की किस्त चुकाना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। पीड़ित दुकानदार प्रशासन से जल्द मुआवजा और आर्थिक सहायता की मांग कर रहे है। ताकि वे दोबारा अपना रोजगार शुरू कर सकें। कुरसेला का नया हाट, चारों तरफ राख व गिरे पड़े मलबे, कहीं-कहीं राख से उठता धुआं और मायूस चेहरे के साथ ताकते लोग, अगलगी के बाद सोमवार को हर तरफ बर्बादी ही बर्बादी के निशा दिख रहे थे।

हॉकी एरीना में गोलीबारी, संदिग्ध समेत तीन की मौत, तीन घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के रोड आइलैंड राज्य में एक हॉकी एरीना में हुई गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सीएनएन के मुताबिक, मरने वालों में एक युवती भी शामिल है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि हमलावर ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कहा है कि हमलावर संभवतः अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहा था। यह घटना पॉटकेट स्थित डेनिस एम. लिंच एरीना में हुई, जहां उस समय दो स्कूल छात्र टीमों के बीच हॉकी मैच चल रहा था। पॉटकट पुलिस प्रमुख ने बताया कि तीन अन्य पीड़ित गंभीर हालत में भर्ती हैं। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा कि राज्य प्रशासन हालात पर नजर बनाए रखे हुए है। उन्होंने पॉटकेट के मेयर ग्रेबियन और राज्य पुलिस अधिकारियों से बातचीत की है। गवर्नर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि राज्य पुलिस स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और वे इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

सहयोगियों पर चीन से दूरी का दबाव नहीं डालेगा अमेरिका: रुबियो

बुडापेस्ट। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगी देशों से चीन से दूरी बनाने की कोई वैचारिक शर्त नहीं रखेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की प्राथमिकता यह है कि दुनिया का हर देश अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय ले। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान रुबियो ने कहा 'हम किसी भी देश से यह नहीं कह रहे कि वे खुद को किसी से अलग-थलग करें, चाहे वह चीन ही क्यों न हो।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज है। हालांकि, रुबियो ने स्पष्ट किया कि प्रतिस्पर्धा का मतलब संबंध खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पागलपन होगा कि अमेरिका और चीन आपस में बातचीत या संबंध न रखें। रुबियो ने संकेत दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति वैचारिक दबाव के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण पर आधारित है।

AI समिट से पहले बोले एंटोनियो गुटेरेस

भारत बड़ी शक्ति बन गया है, उसका योगदान हमारे लिए जरूरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र (UN) प्रमुख ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में भारत का स्थायी योगदान 'हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण' है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक स्तर पर बढ़ती और सशक्त होती भूमिका एक 'सकारात्मक मेगा ट्रेंड' के रूप में उभर रही है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ये टिप्पणियां कृत्रिम मेधा पर 'ग्लोबल साउथ' में आयोजित होने वाले पहले शिखर सम्मेलन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने के लिए नई दिल्ली रवाना होने से पहले कीं। गुतारेस ने यहां 'पीटीआई' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, 'संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों के सभी पहलुओं मसलन शांति और सुरक्षा, सतत विकास पर चर्चा में भारत एक अत्यंत अहम शक्ति बन गया है। मुझे भारत द्वारा आयोजित जी20 की अध्यक्षता याद है जहां बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे।' गुतारेस ने कहा, 'और एक लोकतांत्रिक देश के रूप में मानवाधिकारों के मामले में भी वह अहम शक्ति बन गया है, वो भी एक ऐसी दुनिया में जहां दुर्भाग्य से हम दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र को संकट में देखते हैं।' संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, 'सबसे पहले हम संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा में भारत की उपस्थिति के लिए उसके प्रति बहुत आभारी हैं।

अन्याय और असमानताएं बढ़ रही

उन्होंने 'शांति स्थापना में भारत के पहले पूर्ण महिला पुलिस दल'' पर भी प्रकाश डाला और उसे 'उल्लेखनीय' करार दिया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में गुतारेस का कार्यकाल इस वर्ष समाप्त हो रहा है। उन्होंने बढ़ते संघर्षों और बढ़ती असमानताओं के बीच दुनिया में उभर रहे कुछ 'सकारात्मक मेगा ट्रेंड' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'मेरा संदेश यह है कि चिंता करने के कई कारण हैं। हमने देखा है कि संघर्ष बढ़ रहे हैं, अन्याय और असमानताएं बढ़ रही हैं और दुनिया में गरीबी और भूख की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आतंकवाद को पनपते और एक भयावह रूप में बदलते देखा है। इसलिए चिंता के कई कारण हैं, लेकिन कुछ सकारात्मक मेगा ट्रेंड भी हैं।' गुतारेस ने इस बात पर जोर दिया कि 'सबसे महत्वपूर्ण मेगा ट्रेंड' में एक भारत जैसे देशों और अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि विकसित देशों का समूह-जी7 और इसी तरह के अन्य देशों की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी हर दिन कम होती जा रही है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं, जिनमें भारत एक प्रमुख स्तंभ है, विश्व की अर्थव्यवस्था में लगातार अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही हैं।

मोदी ने बताया शिखर सम्मेलन का उद्देश्य

सबके फायदे के लिए हो एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे पांच दिवसीय इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि एआई का उपयोग सभी के लाभ के लिए कैसे किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बुद्धिमत्ता, तर्कसंगतता और निर्णय लेने की क्षमता विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जनता के लिए उपयोगी बनाती है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का उद्देश्य यह पता लगाना भी है कि एआई का उपयोग सभी के लाभ के लिए कैसे किया जा सकता है।'

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

पहाड़ों पर होगी हल्की बर्फबारी मैदानों में बारिश के आसार

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के संयुक्त प्रभाव से उत्तर, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में मौसम के फिर से करवट लेने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी राज्यों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि मैदानों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। इसी बीच दक्षिण के तटीय इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा, जबकि अंडमान-निकोबार और बंगाल की खाड़ी में तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल पूर्वी तुर्कमेनिस्तान और उससे सटे अफगानिस्तान के ऊपर 3.1 से 5.8 किमी की ऊंचाई पर एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में सक्रिय है। साथ ही पूर्वोत्तर में करीब 12.6 किमी की ऊंचाई पर लगभग 130 नॉट की रफ्तार से उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम बह रही है। इन दोनों प्रणालियों का असर 17 से 19 फरवरी के बीच उत्तर भारत में दिखाई देगा, जिससे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश की स्थिति बन सकती है। मौसम केंद्र देहरादून के अनुसार उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में 17 और 18 फरवरी को हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

हिमाचल में बढ़ा तापमान, बदलेगा मौसम का मिजाज

हिमाचल में इन दिनों साफ मौसम और धूप के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शिमला, मनाली और कांगड़ा सहित कई क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से ऊपर पहुंच गया है। मौसम विभाग का कहना है कि 17 और 18 फरवरी को यहां भी पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखेगा और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश व बर्फबारी हो सकती है।

राहुल गांधी पर भड़कीं नवजोत कौर सिद्धू: कहा- पंजाब नहीं जीत पाएंगे, मोदी की तारीफ

चंडीगढ़। कांग्रेस की पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। नवजोत कौर ने कहा कि राहुल गांधी जमीनी हकीकत से कटे हुए हैं। डॉ. सिद्धू कांग्रेस छोड़ चुकी हैं।

कोयंबटूर में समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अच्छी बातें करते हैं। वह समझदारी की बातें करते हैं। लेकिन वह जो करते हैं और जो कहते हैं वह बहुत अलग है। पिछले आठ महीनों से, मैं उनसे यह कहने के लिए समय मांग रही हूं कि आपके लोग, आपके प्रेसिडेंट या पंजाब में नियुक्त आपका व्यक्ति पंजाब के साथ न्याय नहीं कर रहा है। वह पंजाब में कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं। मैं आपसे बस यह बताने के लिए बैठने का समय मांग रही हूं कि आपकी पार्टी पंजाब में खत्म हो रही है। उन्होंने पहले ही टिकट बेच दिए हैं। अगर आपको पता नहीं है कि आपके नीचे क्या हो रहा है, तो मुझे माफ करना। आप उस कुर्सी के लायक नहीं हैं। आप जो कर रहे हैं उसके लिए आप जिम्मेदार हैं।

नवजोत कौर ने पीएम मोदी की तारीफ की। राहुल गांधी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि आप पीएम मोदी पर उंगली नहीं उठा सकते हैं। क्या उनके पास एक पैसा है? क्या उनके खिलाफ कोई फाइल है? उनके खिलाफ कुछ भी नहीं है। डॉ. सिद्धू ने कहा कि हमने पंजाब के लिए सब कुछ छोड़ दिया, और आपने हमें सात डिपार्टमेंट के साथ एक डिप्टी सीएम का पद और मुझे एक एमपी बनाने का वादा किया, लेकिन आपने हमें कुछ नहीं दिया। आपने हमें लोकल बॉडी और टूरिज्म दिया, और आप चाहते थे कि उन्हें सीएम के हिसाब से चलाया जाए।

रील बनाने के लिए नाबालिग ने दौड़ाई स्कॉर्पियो, बाइक सवार की ली जान

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के द्वारका साउथ थाना क्षेत्र में बीती 3 फरवरी को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। हादसा द्वाराका इलाके में हुआ। जहां दो कारों और एक बाइक की टक्कर में 23 वर्षीय बाइक सवार साहिल धनेश्रा की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, द्वारका साउथ पुलिस स्टेशन में सुबह 11.57 बजे इस हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। द्वारका साउथ थाना क्षेत्र के लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने साहिल की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक टैक्सी से जा टकराई। हादसे में साहिल की मौत हो गई और टैक्सी चालक घायल हो गया। स्कॉर्पियो कार का चालक नाबालिग (17 वर्ष) बिना ड्राइविंग लाइसेंस के पाया गया। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, आरोपी को जमानत मिल चुकी है, बताया गया कि आरोपी को बोर्ड परीक्षा के लिए अंतरिम जमानत दी गई है।

मां ने लगाई इंसाफ की गुहार

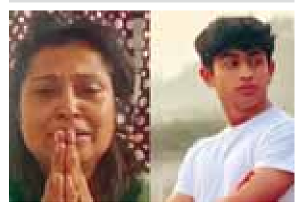

इस हादसे के बाद साहिल की मां इन्ना माकन ने बताया कि जिस गाड़ी से बेटे की बाइक में टक्कर लगी, उसपर पहले से 13 चालान थे। ये सभी चालान ओवर स्पीड के है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी को अंतरिम जमानत मिल गई है। मैं पुलिस से मिली तो मुझे कहा गया कि हमारी ओर से निष्पक्ष जांच होगी। इन्ना माकन ने इंसाफ की मांग की है।साहिल धनेश्रा की मां इन्ना माकन ने बताया, 'मेरा बेटा 3 फरवरी को ऑफिस जा रहा था। यह लड़का (स्कॉर्पियो ड्राइवर) बहुत स्पीड में था।

मेट्रो एंकर

सलाहकारों व नेताओं को राजनीतिक मामलों में फंसाने का सता रहा डर

बांग्लादेश छोड़कर भाग रहे मोहम्मद यूनुस के करीबी!

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में तारिक रहमान आज नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ले रहे हैं। बांग्लादेश के आम चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी को बड़ा बहुमत मिला है। इस बीच खबरें हैं कि अब तक अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के कई करीबी देश छोड़कर निकल रहे हैं या ऐसा करने की फिराक में हैं। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। शेख हसीना की सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर चले आंदोलन के चलते अपदस्थ होना पड़ा था। फिर ईमानदार सरकार के नाम पर मोहम्मद यूनुस कमान संभाल रहे थे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उनकी ईमानदार सरकार के सलाहकार देश छोड़कर क्यों निकल रहे हैं।

ढाका से निकलने वाले देश के बड़े अखबार द डेली स्टार ने एक खबर में मोहम्मद यूनुस के करीबी सलाहकार फैज अहमद तैयब का नाम लेते हुए लिखा था कि उन्होंने जर्मनी के लिए फ्लाइट बुकिंग कराई है। अखबार की हेडिंग की भी काफी चर्चा हुई, जिसने इसे सरप्राइज डिपार्चर लिखा। तैयब अब तक मोहम्मद यूनुस के सलाहकार थे और वह उन्हें इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल और टेलिकॉम्युनिकेशंस के मामले में मदद कर रहे थे। हालांकि इसे लेकर बांग्लादेश के जानकार आश्चर्य नहीं जता रहे हैं। उनका कहना है कि हम तो महीनों पहले से कह रहे थे कि मोहम्मद यूनुस के करीबी देश से बाहर निकलने का रास्ता खोज रहे हैं। यही नहीं सोमवार की शाम को एनसीपी के सीनियर नेता नसीरुद्दीन पटवारी ने भी मोहम्मद यूनुस के सलाहकारों के देश से निकलने का रास्ता खोजने की बात कही और कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। पटवारी ने कहा, 'हमने सुना है कि बहुत से सलाहकार सेफ एग्जिट की तलाश में हैं।

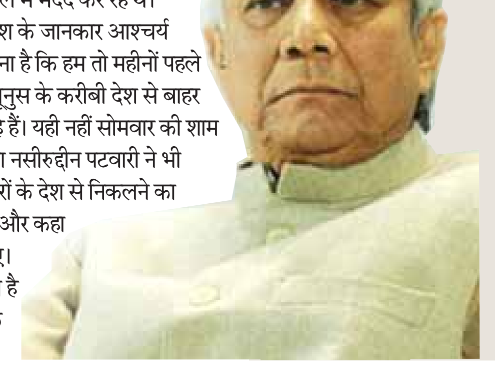

अक्टूबर 2025 से ही क्यों लगने लगे थे ऐसे कयास

अब बात करते हैं कि आखिर कथित ईमानदार सरकार के सलाहकारों को डर किस बात का है? इसकी जड़ें अक्तूबर 2025 में मिलती हैं। एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि कई सलाहकारों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ खुद को जोड़ लिया है और उनसे निकलने का रास्ता मांग रहे हैं। उन्हें लगता है कि हम यहां राजनीति में फंस सकते हैं। ऐसी स्थिति में यहां से निकलना ही सही होगा। एनसीपी के ही एक अन्य नेता सरजिस इस्लाम ने तो यहां तक कहा था कि सलाहकारों की आजादी का एक ही रास्ता है और वह है- मौत। इससे समझा जा सकता है कि कुछ महीनों में ही कैसे मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश में अलोकप्रिय हो गए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564